CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-300
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 02 फरवरी 2024

आज का विचार

मनुष्य को अपनी कठिनाइयों की आवश्यकता होती है क्योंकि वे सफलता का आनंद लेने के लिए आवश्यक हैं।
- ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

पेज-04

बेलगाम बढ़ रही आबादी पर सरकार की नजर...

अब जनसंख्या नियंत्रण के लिए बनाएगी कमेटी

नई दिल्ली। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद केंद्र सरकार ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद से जुड़ा एक और मुद्दा तलाश लिया है। बृहस्पतिवार को अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जनसंख्या नियंत्रण और जनसांख्यिकी बदलाव पर उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में रखा गया है, जब ढाई महीने बाद आम चुनाव होने हैं और जनसंख्या के मामले में भारत चीन को पीछे छोड़ चुका है। हालांकि, नई जनसंख्या नीति पर सत्ता में आने के बाद भाजपा का रुख स्पष्ट नहीं रहा है। कई राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए दो से अधिक बच्चे वाले परिवारों के कुछ अधिकार सीमित करते हुए उन्हें कुछ सरकारी सुविधाओं से वंचित करने का फैसला किया था। अब माना जा रहा है, सरकार ने दोनों मुद्दों पर ठोस पहल की तैयारी कर ली है। वित्त मंत्री ने भी कहा, कमेटी जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय बदलाव की चुनौतियों से निपटने के लिए सिफारिशें सरकार को देगी।

पीएम कर चुके हैं इशारा

जनसंख्या नीति के संदर्भ में दूसरे कार्यकाल के पहले ही साल में पीएम मोदी ने लालकिले से जनसंख्या विस्फोट को आने वाली पीढ़ी के लिए चुनौती बताया था। पीएम मोदी ने कहा था, इससे निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को कदम उठाने चाहिए। अगर भाजपा जीत की हैट्रिक लगाती है, तब राष्ट्रवाद से जुड़े मुद्दों पर सियासी गहमागहमी रहेगी।

मंत्रियों के अलग अलग बयान

वर्ष 2021 में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार ने नई जनसंख्या नीति लाने से इन्कार करते हुए कहा था, सरकार वर्तमान परिवार नियोजन नीति के सहारे ही इसे नियंत्रित करना चाहती है। हालांकि, एक साल बाद सरकार के दूसरे मंत्री प्रह्लाद पटेल ने इस बयान के उलट जल्द नई जनसंख्या नीति लाने की घोषणा की थी।

संघ प्रमुख जता चुके हैं चिंता

धर्म के आधार पर जनसंख्या असंतुलन भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए बड़ा मुद्दा रहा है। दोनों की आपत्ति है कि देश में बहुसंख्यकों के मुकाबले अल्पसंख्यकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 2022 में विजयादशमी के संबोधन में गंभीर चिंता जताते हुए नई जनसंख्या नीति की जरूरत बताई थी। उन्होंने ईस्ट तिमोर, दक्षिण सूडान व कोसोवो सरीखे देशों का उदाहरण भी दिया था।

रिकार्ड सात लाख से ज्यादा युवाओं को स्वरोजगार के लिए मिला पांच हजार करोड़ से अधिक का ऋण

अग्निवीर योजना के लिए युवाओं को मिलेगा 360 घंटे का नि:शुल्क प्रशिक्षण: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को देशभक्ति के लिए प्रेरित करने और सेना में नई ऊर्जा लाने के लिए शुरू की गई अग्निवीर योजना में प्रदेश के युवाओं को चयनित कराने के लिए प्रति बैच 360 घंटे का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में युवाओं को गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और सामान्य अध्ययन जैसे विषयों की कोचिंग दी जाएगी। इससे युवाओं को अग्निवीर योजना में चयन में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुरैना में आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अग्निवीर सहित शासन की विभिन्न योजनाओं से मिले, रोजगार और स्वरोजगार से युवाओं के जीवन में नव सुख जीवन का सूरज उदय होगा।

नदी से नदी जोड़कर बहेगी विकास की धारा

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना नदी जोड़ो परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि नदी से नदी को जोड़कर गांव-गांव तक विकास की धारा बहाने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई थी। मध्यप्रदेश और राजस्थान को भी इस परियोजना का लाभ मिलना था, लेकिन पिछली सरकारों ने इसे लागू नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मप्र और राजस्थान द्वारा संयुक्त रूप से पार्वती, काली सिंध, और चंबल नदी को जोड़ने का महाअभियान प्रारंभ हुआ हैं। प्रदेश के 12 और राजस्थान के 13 जिलों का विकास इस परियोजना के तहत होगा। किसानों को पीने और सिंचाई का पानी उपलब्ध होगा। इससे क्षेत्र में विकास होगा और समृद्धि आएगी।

किसानों को 56 करोड़ लौटाएंगे और नई फैक्ट्री लगवाएंगे

उन्होंने कहा कि किसानों और मजदूरों को उनका हक मिलेगा। मुरैना में बंद पड़ी शुगर फैक्ट्री के संदर्भ में उन्होने कहा कि किसानों का 56 करोड़ बकाया उन्हें लौटाया जाएगा। नई फैक्ट्री लगवाएंगे। इसी तरह जैसे जेसी मिल्स ग्वालियर का पैसा भी मजदूरों को लौटाएंगे। किसानों और मजदूरों को कोई परेशान करे यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में हुए नक्सली हमले में भिंड के सीआरपीएफ के जवान पवन भदौरिया के कर्तव्य की बलिवेदी पर बलिदान पर श्रदापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि जान की बाजी लगाकर जो शूरवीर धरती मां को गौरवान्वित करते हैं, वह समूची संस्कृति में पूजे जाते हैं। उनके बलिदान को जीवन भर स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति लगातार आगे बढ़ने की संस्कृति है। सर्वे भवन्तु सुखिन:- सर्वे सन्तु निरामया: की भावना के साथ सबका कल्याण चाहते हुए अपने परिवार, कुटुंब और देश को आगे बढ़ने का संस्कार हमारी संस्कृति में है। कुटुंब परंपरा का पालन करते हुए अपनी जरूरत और सपना पूरा करने के साथ ही कुछ बचत भी हम रखते हैं। इसी कारण से हम दुनिया, हर काल में, हर युग में समृद्ध हैं, सुसंस्कृत है और सभी को सुखी संपन्न दिखाई देते है। इसी संस्कृति की महानता के कारण हम कई विदेशी आक्रांताओं की आंखों में खटकते रहे हैं। इतिहास में जब मौका मिला विदेशी आक्रांता हमे लूटने आए। लेकिन इस बात का गर्व है की चंबल के वीर बहादुर सिपाहियों के बलबूते पर हजारों वर्षों से हर काल में और हर युग में हर बार हमने मुंह तोड़ जवाब दिया। कभी झुके नहीं, कभी रुके नहीं, कोई बाधा हमें रोक नहीं सकी। जब भी मौका मिला है चंबल की धरती ने सनातन संस्कृति का मान और सम्मान बढ़ाया है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि रोजगार दिवस के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का यह कार्यक्रम अनुकरणीय है। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं के जीवन में नया सवेरा होगा। अध्यक्ष श्री तोमर ने कार्यक्रम के लाभार्थी नौजवानों को बधाई दी और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

पेटीएम का बुरा हाल! ग्राहक नहीं कर सकेंगे ये काम

नई दिल्ली । आरबीआइ द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड पर रोक लगाने से कंपनी के वार्षिक परिचालन लाभ पर 300-500 करोड़ रुपये का असर पड़ेगा। इस रोक के चलते ग्राहक न तो 29 फरवरी, 2024 के बाद वालेट में अपने पैसे जोड़ पाएंगे और फास्टैग को रिचार्ज कर सकेंगे। तब तक ग्राहक पेटीएम वालेट और पीपीबीएल खाते से पैसे जोड़ने के साथ-साथ पैसे निकाल भी सकते हैं। पेटीएम संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा, आरबीआइ का आदेश एक बड़ा व्यवधान है, हालांकि हमारा मानना है कि अन्य बैंकों के साथ जिस तरह की साझेदारी हम विकसित कर चुके हैं, उस स्थिति में हम अगले कुछ दिनों में इस दिक्कत से पार पा लेंगे। उन्होंने कहा कि आगे चलकर वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) पीपीबीएल के साथ नहीं बल्कि सिर्फ अन्य बैंकों के साथ कम करेगी। पेटीएम ब्रांड का मालिकाना हक रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड की पीपीबीएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में हुई पूजा, जुमे की नमाज को लेकर पुलिस सतर्क, निकाला फ्लैग मार्च

वाराणासी । ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर व्यास तहखाने में पूजा शुरू करने का फैसला आया और उसके कुछ घंटे बाद ही आधी रात में ज्ञानवापी के अंदर मंत्र गूंजने लगे. शंख और घंटे की ध्वनि के बीच हर हर महादेव का जयघोष होने लगा. हालांकि, फैसले के विरोध में मुस्लिम पक्ष ने गुरुवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की. मुस्लिम पक्ष ने वाराणसी के जिला अदालत में भी अर्जी देकर हिंदू पक्ष को उक्त स्थान पर पूजा करने से रोकने का अनुरोध किया है. इंतेजामिया कमेटी के वकील एसएफए नकवी ने कहा कि उन्होंने इस मामले पर जल्द सुनवाई के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के महानिबंधक के समक्ष आवेदन किया है. अदालत में दाखिल अपील में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के न्यासी मंडल और आचार्य वेद व्यास पीठ मंदिर के मुख्य पुजारी शैलेन्द्र कुमार पाठक को पक्षकार बनाया गया है.

शुक्रवार को लेकर मुस्लिम पक्ष की अपील: इन सबके बीच ज्ञानवापी परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं. शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर पुलिस काफी सतर्क है. संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल फ्लैग मार्च कर रही है. इस बीच, अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने मुस्लिम पक्ष से शुक्रवार को अपनी दुकानें और व्यवसाय बंद रखने और विशेष जुमा नमाज अदा करने की अपील की है. संगठन के महासचिव अब्दुल बातिन नोमानी ने गुरुवार शाम जारी अपील में कहा, 'वाराणसी जिला न्यायाधीश के फैसले के आधार पर ज्ञानवापी मस्जिद के दक्षिणी तहखाने (व्यास तहखाने) में पूजा शुरू हो गई है. इस स्थिति को देखते हुए विभिन्न मुस्लिम संगठनों ने अपील जारी की है. इसके तहत 2 फरवरी को मुस्लिम शांतिपूर्वक अपने कारोबार और दुकानें बंद रखें और विशेष नमाज अदा करें.' अपील में देशभर के मुस्लिमों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने-अपने शहरों और इलाकों में विशेष नमाज की व्यवस्था करें. अपील में कहा गया है कि इस अवधि के दौरान, पूर्ण शांति और व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए, एक मुसलमान को उसी मस्जिद में जाना चाहिए जहां वह आमतौर पर प्रार्थना करने जाता है और शुक्रवार की नमाज अदा करता है. मुस्लिम महिलाओं से घर पर ही इबादत करने को कहा गया है और शादी समारोह व अन्य कार्यक्रम सादगी से आयोजित करने की भी अपील की गई है.

आधी रात को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था मामला: यहां 30 साल से पूजा पर रोक थी. आधी रात को ही भक्त पूजा करने के लिए पहुंच गए.इधर मुस्लिम पक्ष रात 3 बजे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया. मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने ज्ञानवापी मस्जिद की कानूनी टीम के जरिए रात 3 बजे सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार से संपर्क किया. मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट से वाराणसी कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया ताकि मुस्लिम पक्ष कानूनी उपाय तलाश सके. रात तीन बजे मुस्लिम पक्ष ने रजिस्ट्रार से करीब एक घंटे तक बातचीत की. फिर सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने सुबह 4 बजे भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को जगाया.चीफ जस्टिस ने सुबह-सुबह कागजात देखने के बाद मुस्लिम पक्ष से किसी भी तरह की राहत के लिए मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास जाने को कहा।

संसद में गूंजा झारखंड मुद्दा, विपक्ष का वॉकआउट

थोड़ी देर में शपथ लेंगे चम्पई सोरेन

झारखंड में ये दो दिग्गज नेता लेंगे डिप्टी सीएम पद की शपथ, कुछ देर बाद सभी पहुंचेंगे राजभवन

झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने गुरुवार को झामुमो विधायक दल के नेता चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया और उन्हें शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया। चंपई सोरेन नए मुख्यमंत्री के रूप में आज यानी शुक्रवार को शपथ लेंगे। वहीं बीजेपी ने भी आज विधायक दल की बैठक बुलाई है। शपथ ग्रहण के बाद उन्हें 10 दिन के अंदर बहुमत साबित करना होगा। चम्पाई सोरेन के साथ कांग्रेस और राजद कोटे से एक- एक मंत्री भी शपथ लेंगे। इनमें क्रमशः आलमगीर आलम और सत्यानंद भोक्त ा होंगे। इससे पहले झारखंड में पूरे दिन सियासी उठापटक जारी रही।

हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से झटका, गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार, कहा- हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते

जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अब झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने गिरफ्तारी के खिलाफ डाली गई याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है।सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सोरेन से पूछा कि आप हाई कोर्ट क्यों नहीं जाते? सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह मामला एक मुख्यमंत्री से संबंधित है जिसे गिरफ्तार किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कहा कि अदालतें सभी के लिए खुली हैं और उच्च न्यायालय संवैधानिक अदालत ही है।सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को भूमि मामले में ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी याचिका के साथ झारखंड उच्च न्यायालय जाने को कहा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी से राहत के लिए उच्च न्यायालय जाने को कहा।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी

अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर के राजकुमार ब्रिज पर तेज रफ्तार कार ने पुलिसकर्मियों के बेटों को रौंदा

राजकुमार ब्रिज पर गुरुवार रात नशे में धुत कार सवार ने दो दोपहिया वाहनों को रौंद दिया। हादसे में तीन युवक घायल हुए हैं। इनमें दो पुलिसकर्मियों के बेटे हैं। एक युवक को सिर में गंभीर चोट आई है। वाहनों को टक्कर मारने के बाद कार डिवाइडर से जाकर टकराई और फिर रुकी। कार सवार युवक को पकड़कर भीड़ ने पीटा। पुलिस ने कार चालक विजय नगर निवासी आदर्श सहित एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया।घटना रात करीब सवा दस बजे की है। प्रतीक अवस्थी और अभिजीत एमरकस टेप्पो छप्पन दुकान से एक्टिवा पर घर डीआरपी लाइन की ओर जा रहे थे। नेहरू पार्क से राजकुमार ब्रिज की भुजा पर चढ़ रहे थे। उस दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे दोनों युवक सड़क किनारे गिर गए। प्रतीक बेसुध हो गया उसे सिर में गंभीर चोट आई है। उसके पिता छत्रीपुरा थाने में एएसआइ हैं जबकि दूसरा युवक अभिजीत भी घायल हुआ। उसके पिता जूनी इंदौर थाने में एसआइ हैं। कार इसके बाद भी नहीं रुकी और आगे बाइक सवार को भी टक्कर मारी। डिवाइडर से टकराकर कार रुकी तो उसमें से उतरकर सवार भागने लगे। भीड़ ने एक को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई की। टक्कर मारने वाला नशे में था। पुलिस ने जैसे-तैसे उसे भीड़ से बचाया।

दुष्कर्म पीड़िता का आरोप, सरेराह पीटा और कहा केस वापस ले

दुष्कर्म पीड़िता के साथ मारपीट हुई है। रसूखदार आरोपित ने केस वापस लेने का बोलकर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने पहले शिकायत पर गौर नहीं किया। थाने के सामने ही जान देने की धमकी देने के बाद गुरुवार को आरोपित के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करना पड़ा।पुलिस के मुताबिक मूसाखेड़ी निवासी 28 वर्षीय पीड़िता ने कुछ समय पूर्व बुढ़ी बरलई शिप्रा निवासी अश्विन पुत्र अरविंद पटेल के खिलाफ महिला थाना में केस दर्ज करवाया था। पीड़िता का आरोप है कि 12 जनवरी को वह नौकरी के सिलसिले में स्कीम-114 में आई थी। रास्ते में आरोपित अरविंद पटेल ने रोका और कहा कि तूने उसके खिलाफ झूठी एफआइआर दर्ज करवाई है। रिपोर्ट वापस नहीं ली तो जान से खत्म कर देगा।

आरोपित अश्विन ने पीड़िता के साथ मारपीट की और धमकाते हुए फरार हो गया। मामले में पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत की लेकिन आवेदन लेकर कहा कि जांच करेंगे। गुरुवार को वह दोबारा पहुंची तो महिला अफसर ने जांच का आश्वासन दिया। पीड़िता ने दुखी होकर कहा कि आज वह थाने के सामने ही जान दे देगी। इसके बाद पुलिस ने तत्काल अश्विन पटेल के खिलाफ केस दर्ज किया। लव जिहाद मामला, होटल का रिकार्ड भी जांचेगी पुलिस लसूड़िया पुलिस ने गुरुवार को 38 वर्षीय शादीशुदा महिला की शिकायत पर लक्की उर्फ अलबाब खान, अबरार उर्फ विक्की और अनस पठान के खिलाफ केस आरोपित लक्की ने हिंदू बनकर करीबी बढ़ाई और शारीरिक संबंध बना लिए। पीड़िता का आरोप है कि वह उसे सांवेर स्थित होटल वेलकम और रिंग रोड़ के होटल शिवओम में लेकर गया था। पुलिस दोनों होटलों की भी जांच करेगी। एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्रसिंह के मुताबिक आरोपित से सात साल से संबंध थे। दोनों की व्यापार के सिलसिले में बात हुई थी। उनके बीच आनलाइन लेनदेन भी हुआ है। पुलिस जांच कर रही है।

आर्थिक तंगी से जूझते बहदाल हो रही जेयू की करोड़ों की सौगातें

छात्रों को बेहतर शिक्षा और सुविधा देने का दावा करने वाले ए प्लस प्लस तमगाधारी जीवाजी विश्वविद्यालय जाने कौन सी नींद सो रहा है कि छात्रों से जुड़े अहम दो प्रोजेक्ट छह साल में भी शुरू नहीं कर पाया है। आर्थिक तंगी की मार झेल रहे स्विमिंग पूल और न्यू लाइब्रेरी का काम सालभर से ठप पड़ा हुआ है। छात्रों को स्विमिंग पूल और लाइब्रेरी के नाम पर बड़े-बड़े सपने तो दिखा दिए लेकिन छह साल में अब तक उन सपनों को साकार नहीं कर पाया। यह प्रोजेक्ट शुरू होने से लेकर आज तक कुलपति से लेकर कुलसचिव और भवन समिति के सदस्यों तक तमाम अधिकारी और पदाधिकारी बदल गए, सबके अपने नियम और अपने कायदे भी चले लेकिन इसके बावजूद भी अब तक कोई काम पूरा नहीं हो पाया। लाइब्रेरी पर तो फिर भी कारीगर कुछ न कुछ करते दिख जाते हैं लेकिन स्विमिंग पूल पर तो सालभर से ताला ही पड़ा हुआ है। इससे यह हो रहा है कि करोड़ों की सौगातें बदहाल पड़ी हुई हैं। अधिकारियों से सवाल-जवाब करो तो वह सिर्फ निराधार वादे कर बात को टाल देते हैं। छात्रों को यह सुविधा कब तक मिल पाएगी इसका जवाब किसी के पास नहीं है।60 लाख के एडवांस में अटका स्विमिंग पूलजीवाजी वि श्वविद्यालय के स्विमिंग पूल का प्रोजेक्ट सिर्फ 60 लाख रुपये के उस एडवांस के चक्कर में अटका हुआ है जो संबंधित ठेकेदार ने मांगे थे।

इंदौर में आकार ले रहा जैव विविधता का श्रेष्ठ, शानदार और दिलकश संसार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में एक ऐसा नया स्थान आकार ले रहा है, जो बदलते शहर के लिए शानदार, श्रेष्ठ और दिलकश पिकनिक स्पाट बनेगा। यह स्थान है सिरपुर तालाब की वेटलैंड अर्थात आद्रभूमि पर बना नया स्थल। प्रतिवर्ष 2 फरवरी को विश्व वेटलैंड दिवस मनाया जाता है। आज इसे दुनियाभर में मनाया जा रहा है। यह भी पढ़ेंविश्व में कई स्थान पर वेटलैंड (आद्रभूमि) को रामसर साइट्स घोषित की गई हैं। इनमें से इंदौर के सिरपुर तालाब एवं यशवंत सागर तालाब को भी रामसर साइट घोषित किया जा चुका है। सिरपुर तालाब पर विश्व वेटलैंड दिवस के अवसर देश का मुख्य आयोजन हो रहा है। इन कामों से मिला रामसार साइड का दर्जा सिरपुर में कई ऐसे काम हुए हैं, जिनसे इसे रामसर साइट का दर्जा मिला। इनक्यूबेशन सेंटर = इस सेंटर के जरिए यहां घूमने आने वालों को पर्यावरण के बारे में जानकारी मिल पाएगी। इस सेंटर में प्रदर्शनी भी लगाई जा सकेगी। बटरफ्लाय पार्क = पार्क में ऐसे पौधे लगाए गए हैं, जो तितलियों को आकर्षित करेंगे। तितलियां इन पौधों पर अंडे दे सकेंगी। तितलियों को इन्हीं पौधों से भोजन भी मिल सकेगा और यहीं वे अपना जीवन चक्र भी चला सकेंगी। रामसर साइट में शामिल होने से यह लाभ सिरपुर और यशवंत सागर के रामसर साइट में शामिल होने से इन दोनों तालाबों के विकास की योजना पर केंद्र सरकार की निगरानी रहेगी। संयुक्त राष्ट्र संघ की कमेटी भी इसके विकास को देखेगी। केंद्र सरकार इन साइट के रखरखाव में भी सहायता करेगी। किसी साइट के वेटलैंड होने का फायदा यह होता है कि वहां जैव विविधता का संरक्षण होता है। इस कारण धीरे-धीरे वह स्थल जैव विविधता के लिए शानदार जगह बन जाती है। रामसर साइड अर्थात क्या? प्रतिवर्ष 2 फरवरी को विश्व वेटलैंड दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1971 में ईरान के रामसर शहर में विश्वभर के तालाबों को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। विश्व वेटलैंड दिवस तालाबों के प्रति जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। एक वर्ष पहले तक प्रदेश के भोपाल और शिवपुर तालाब ही रामसर साइट में शामिल थे, लेकिन इसी वर्ष इंदौर के सिरपुर तालाब और यशवंत सागर को भी इस सूची में शामिल किया गया है। इसके बाद देशभर में रामसर साइट की संख्या 75 हो गई है। नो कंस्ट्रक्शन व साइलेंट जोन बनाने की जरूरत सिरपुर तालाब के विकास को लेकर लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि इसे पक्षी विहार के रूप से विकसित करने के लिए इसके आसपास नो कंस्ट्रक्शन व साइलेंट जोन बनाया जाना चाहिए। महाजन ने यहां पर 1995-96 में द नेचर वालंटियर सोसायटी के पद्मश्री भालू मोढे एवं सदस्यों के मार्गदर्शन में कार्य करना प्रारंभ किया था। ताई ने अपनी सांसद निधि से तालाब की पाल का काम करवाने के लिए पांच लाख रुपये प्रदान किए थे। पक्षी विहार हेतु नेचर वालंटियर ग्रुप एवं नगर निगम के सहयोग से वर्ष 2005 से काम प्रारंभ किया गया था। यहां अतिक्रमण हटाने से लेकर इंटरप्रिटेशन सेंटर बनाने का काम भी हुआ। बाद में महाजन ने सांसद निधि से 20 लाख रुपये और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने भी 25 लाख रुपये उपलब्ध कराए थे।

नौ साल में तैयार हुआ इंदौर निगम परिषद हाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज करेंगे लोकार्पित

सिटी चीफ इंदौर।

नौ वर्ष से चल रहा निगम परिषद हाल का काम आखिर पूरा हो ही गया। वर्ष 2014 दिसंबर में इसका भूमिपूजन हुआ था। इसका निर्माण लोकसभा की तर्ज पर किया गया है। खुद का परिषद हाल नहीं होने से नगर निगम को परिषद सम्मेलन के लिए निजी सभागृह किराए पर लेना पड़ता था।साल 2014 से अब तक किराए के रूप में इन आयोजनों पर निगम 20 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर चुका है। शुक्रवार को निगम के नए परिषद हाल का लोकार्पण मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव करेंगे। इसके पहले गुरुवार को सभापति मुन्नालाल यादव, एमआइसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने इसकी तैयारियों का जायजा लिया। निगम के नए परिषद हाल का नामांकरण पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के नाम पर किया गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कार्यकाल के पहले ही निगम परिषद सम्मेलन में आश्वासन दिया था कि अगला परिषद सम्मेलन निगम के खुद के हाल में होगा। इसके बाद परिषद हाल के काम में तेजी आई थी। नए परिषद हाल में 114 पार्षदों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। सभापति मुन्नालाल यादव ने बताया कि शहर के विकास को देखते हुए भविष्य में पार्षदों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है।

रामसर साइट में शामिल इंदौर के सिरपुर तालाब पर आज होगा आयोजन, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इसी वर्ष रामसर साइट में शामिल हुए देश के स्वच्छतम शहर इंदौर के दो तालाब सिरपुर और यशवंत सागर पर इस वर्ष के विश्व वेटलैंड दिवस का अंतराष्ट्रीय आयोजन 2 फरवरी को होगा। सिरपुर तालाब में आयोजित कार्यक्रम मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे और रामसर सचिवालय की महासचिव डा. मुसौंदा मुंबा विशिष्ट अतिथि होंगी।कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पर्यावरण एवं वन मंत्री नागर सिंह चौहान, पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी गौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। आयोजन में देश की सभी 75 वेटलैंड साइट के प्रतिनिधि, प्राधिकरणों के अधिकारी, विज्ञानी सहित 200 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे। कार्यक्रम सुबह 8.30 बजे से शुरू होगा। प्रतिवर्ष दो फरवरी को विश्व वेटलैंड दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1971 में ईरान के रामसर शहर में विश्वभर के तालाबों को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। विश्व वेटलैंड दिवस तालाबों के प्रति जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। एक वर्ष पहले तक प्रदेश के भोपाल और शिवपुर तालाब ही रामसर साइट में शामिल थे, लेकिन इसी वर्ष इंदौर के सिरपुर तालाब और यशवंत सागर को इस सूची में शामिल किया गया है। इसके बाद देशभर में रामसर साइट की संख्या 75 हो गई है। चूंकि इंदौर के दो तालाब इस सूची में इसी वर्ष शामिल हुए हैं, यही वजह है कि इस वर्ष विश्व वेटलैंड दिवस का अंतरराष्ट्रीय आयोजन इंदौर में हो रहा है।

नरेंद्र हिरवानी, अमय खुरासिया, नमन ओझा के बाद इंदौर के रजत पाटीदार भारतीय टेस्ट टीम में

सिटी चीफ इंदौर।

मध्य प्रदेश रणजी टीम के बल्लेबाज रजत पाटीदार को इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से विशाखापत्तनम में शुरू हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए भारतीय टीम की अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। वह इस मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। उन्हें पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने टेस्ट कैप प्रदान की। इसी के साथ रजत इंदौर के उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है। नरेन्द्र हिरवानी, अमय खुरासिया और नमन ओझा के बाद रजत पाटीदार ने राष्ट्रीय टीम में स्थान हासिल किया है। हालांकि होलकर टीम में इंदौर के कई दिग्गज खेल चुके हैं। वहीं छोटे फार्मेट में भी शहर के इन नामों के अलावा तेज गेंदबाज आवेश खान, वेंकटेश अय्यर जैसे नाम भी शामिल रहे हैं।रजत भारत के लिए पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पार्ल में एक वनडे मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 22 रन बनाए थे। 30 साल के रजत को पूर्व कप्तान विराट कोहली की जगह टीम में शामिल किया गया था, जो व्यक्तिगत कारणों से टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में उन्हें मौका नहीं मिला था, लेकिन चोटों से जूझ रही भारतीय टीम में दूसरे टेस्ट के लिए टीम में तीन बदलाव किए। केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज की जगह अंतिम एकादश में रजत,

कुलदीप यादव और मुकेश कुमार को शामिल किया गया है। सीरीज में भारतीय टीम को हैदराबाद में पहले टेस्ट में 28 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत 0-1 से पिछड़ रहा है। मध्य प्रदेश रणजी टीम के बल्लेबाज पाटीदार इस समय जबर्दस्त फार्म में हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अहमदाबाद में 151 रनों की पारी खेली थी। वहीं इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में 111 रन बनाए थे और पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने वाली भारत ए टीम का भी हिस्सा थे। पाटीदार ने दक्षिण अफ्रीका के पर्ल से मेजबान टीम के खिलाफ 2023 दिसंबर में वनडे मैच से अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्होंने पारी की शुरुआत की थी।

मुगलों ने हमारे एक हजार से ज्यादा मंदिरों को तोड़ा और लूटा, ज्ञानवापी पर बोले कैलाश विजयवर्गीय

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंडी गठबंधन को कहा कि यह अब बचा कहां है। उनके संयोजक तो भाजपा के साथ सरकार बना रहे हैं। ज्ञानवापी मामले को लेकर विजयवर्गीय ने कहा कि इतिहास में बहुत-सी चीजें लिखित में नहीं हैं।उन्होंने कहा कि मुगलों ने हमारे एक हजार से ज्यादा मंदिरों को तोड़ा था। उन मंदिरों के प्रति लोगों की आस्था है। जिस पीढ़ी के सामने घटनाक्रम हुआ था वह तो चली गई लेकिन अब हमें समझ आ रहा है कि इन मंदिरों को तोड़ा गया था, लूटा गया था। पहले मंदिरों में ही खजाना होता था, यही वजह थी कि मंदिरों को तोड़ा और लूटा गया था। न्यायालय ने सारे साक्ष्यों को देखने के बाद ही फैसला दिया है। भगवान में आस्था रखने वाले इससे खुश हैं। अंतरिम बजट को लेकर

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह देश के कल्याण का बजट है। यह महिला और किसान दोनों के लिए हितग्राही बजट है।

पार्सल में ईंट-पत्थर रख कंपनी को चपत लगा रहा था फ्लिपकार्ट का डिलीवरी ब्वाय

सिटी चीफ इंदौर।

ई-कामर्स कंपनी के साथ लाखों रुपये की हेराफेरी की घटना सामने आई है। पुलिस ने कंपनी के डिलीवरी ब्वाय के विरुद्ध एफआइआर दर्ज की है। आरोपित ग्राहकों द्वारा मंगवाए सामान को निकाल लेता था। उसके स्थान पर ईंट व पत्थर रखकर पार्सल वापस कर देता था।टीआइ राजेश साहू के मुताबिक ई-कामर्स कंपनी फ्लिपकार्ट की सर्विस पार्टनर कंपनी ग्रीनटेक के मैनेजर हिमांशू भाटी (60 फीट रोड़) ने शिकायत दर्ज करवाई है। भाटी ने पुलिस को बताया कि डिलीवरी ब्वाय अभिषेक दुबे द्वारा लौटाए जाने वाले पार्सल में ईंट व पत्थर निकल रहे थे। शंका के आधार पर कंपनी ने जांच बैठाई तो पता चला अभिषेक उन पार्सल से ओरिजनल सामान (ब्लू टूथ, घड़ी, स्पीकर, स्मार्ट वाच, पावर बैंक, जूते) निकाल लेता है, जो ग्राहक आर्डर कैंसिल करते थे। उस पार्सल में ईंट व पत्थर रख देता था। पुलिस ने गुरुवार रात आरोपित अभिषेक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उसने पूछताछ में बताया कि वह खुद ही अलग-अलग नाम से आइडी बनाकर आर्डर करता था।

हिंदू व्यापारी बनकर दोस्ती की और वीडियो बनाकर किया दुष्कर्म

सिटी चीफ इंदौर।

महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। लसूड़िया थाने की पुलिस ने लक्की उर्फ अलबाब खान सहित तीन लोगों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। आरोपित ने हिंदू व्यापारी बनकर करीबी बढ़ाई और आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। ऋण के दस्तावेजों से असलियत सामने आई तो आरोपित, उसका भाई और दोस्त बेटी का जीवन बर्बाद करने की धमकी देने लगे। पीड़िता ने परेशान होकर नींद की गोलियां खाकर जान देने की कोशिश की। गुरुवार को महिला हिंदूवादियों के साथ थाने पहुंची और केस दर्ज करवाया। टीआइ तारेश सोनी के मुताबिक लव जिहाद की धारा लगाई जाएगी।पुलिस के मुताबिक साईं श्रद्धा पैलेस क्षेत्र में रहने वाली 37 वर्षीय पीड़िता रेडिमेड कपड़ों की दुकान संचालित करती है। करीब सात साल पूर्व पीड़िता ने रूम किराये पर देने के लिए ओएलएक्स पर विज्ञापन जारी किया था। लक्की रूम देखने आया, लेकिन पसंद न

आने का बोलकर चला गया। लक्की ने पीड़िता से मोबाइल नंबर ले लिए और बातचीत शुरू कर दी। उसने कहा कि होलसेल कपड़ों का कारोबार करता है। उससे कपड़े खरीदकर बेचने पर ज्यादा मुनाफा हो सकता है। लक्की और पीड़िता व्यापार के सिलसिले में मिलने लगे। पीड़िता का आरोप है कि एक बार लक्की घुमाने का बोलकर सांवेर स्थित होटल वेलकम लेकर गया। इस दौरान उसने पीड़िता का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। इसके तीन दिन बाद पुनः काल लगाया और वीडियो बहुप्रसारित करने की धमकी देकर स्टार चौराहा पर मिलने बुलाया। शादी का बोला और दोबारा वेलकम होटल ले गया। उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लोन के दस्तावेजों पर लक्की नहीं, अलबाब खान देखा पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी वर्ष 2004 में शादी हो चुकी है। उसके तीन बच्चे भी हैं। पति से संबंध ठीक नहीं होने के कारण बच्चों के साथ रहती है। लक्की ने उसकी पूरी जानकारी निकाल ली थी। वह बच्चों की देखभाल और शादी का बोलने लगा था। कुछ समय पूर्व लोन के लिए दस्तावेज लाया तो पता चला उसका नाम लक्की नहीं अलबाब खान है। असलियत सामने आई तो कहा मुस्लिम हूं। तुम्हें भी रख लूंगा।

मुसलमानों में दो-तीन शादी कर सकते हैं। सात जनवरी को मुस्लिम युवती से शादी करने की बात भी बताई। आठ जनवरी को वीडियो डिलीट करने और बात करने के लिए शिवओम होटल में बुलाया और जबर्दस्ती शारीरिक संबंध बनाए। उसकी शिकायत करने पर लक्की के भाई अबरार उर्फ विक्की और दोस्त अनस पठान ने धमकाया।

हवाओं का रुख बदलने से ठंड से राहत

रात का पारा 02 डिग्री उछला, दिन में धूप का मिजाज नरम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख बदल गया है। हवाओं के साथ नमी आने की वजह से पूरे प्रदेश में मध्यम एवं ऊंचाई के स्तर पर बादल छाने लगे हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बादलों के कारण दिन में तापमान में गिरावट और रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। इसी क्रम में राजधानी भोपाल में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो पिछले दिन के न्यूनतम तापमान (12.6) से 02 डिग्री सेल्सियस अधिक है। साथ ही यह सामान्य से भी 03 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं गुरुवार को भोपाल में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो पिछले दिन के मुकाबले लगभग बराबर, लेकिन सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। इस वजह से अभी पांच-छह दिन तक रात में ह्लकी ठंड बनी रहने के आसार हैं।मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। इसके प्रभाव से पाकिस्तान के मध्य से लेकर राजस्थान तक एक प्रेरित चक्रवात बन गया है। इसके अतिरिक्त उत्तर भारत से लेकर मध्य प्रदेश तक लगभग 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर पश्चिमी जेट स्ट्रीम अभी भी बना हुआ है। चल रही दक्षिण-पूर्वी हवाएं मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय इन मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख दक्षिण-पूर्वी बना हुआ है। हवाओं के साथ नमी आने एवं जेट स्ट्रीम के प्रभाव से लगभग पूरे प्रदेश में मध्यम एवं ऊंचाई के स्तर पर बादल छा गए हैं। इस वजह से दिन के तापमान में मामूली गिरावट और रात के तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने लगी है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी एवं मैदानी क्षेत्रों में वर्षा भी हो रही है। उधर तीन फरवरी को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। इस वजह से पांच-छह फरवरी तक कड़ाके की ठंड से राहत बनी रह सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के बाद हवाओं का रुख उत्तरी होने से एक बार फिर रात के तापमान में गिरावट हो सकती है।

लोकसेवा गारंटी के प्रकरणों में देरी पर नौ तहसीलदारों को भेजा नोटिस

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में राजस्व से जुड़े हुए प्रकरणों का निराकरण करने के लिए एक तरफ अभियान चलाया जा रहा है। वहीं इसकी लगातार निगरानी भी की जा रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह स्वयं इसकी निगरानी कर रहे हैं। इसके बावजूद राजस्व अधिकारी लोक सेवा गारंटी से जुड़े लंबित प्रकरणों के निपटान में लापरवाही बरत रहे हैं। अब यह लापरवाही राजस्व अधिकारियों पर भारी पड़ने वाली है। दरअसल कलेक्टर ने गुरुवार को ऐसे नौ तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को नोटिस दिए गए हैं। कई तहसीलदारों ने एक से अधिक प्रकरणों में समय सीमा में काम नहीं किया है। जवाब मिलने के बाद इन तहसीलदारों से ढाई सौ रुपए प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना वसूला जा सकता है। इसकी कटौती उनके वेतन से होगी।बता दें कि संभागायुक्त डा. पवन शर्मा के निरीक्षण के बाद कलेक्टर कई बार तहसील दफ्तरों में जाकर नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा सहित अन्य प्रकरणों को समयसीमा में निपटाने की हिदायत दे चुके हैं। जिसके बाद तहसीलों में कुछ प्रकरण निपटाए भी गए हैं। लेकिन अधिकतर तहसीलदार केसों को निपटाने के नाम पर खारिज कर रहे हैं। इधर टाइम लिमिट में काम नहीं करने पर गुरुवार को कलेक्टर ने कोलार तहसीलदार कुणाल राउत, मुकेश राज गोविंदपुरा, दिलीप चौरसिया हुजूर, सुनील वर्मा एमपी नगर, करुणा दंडोतिया टीटी नगर और एनएस परमार बैरागढ़ को नोटिस दिया है। इसी तरह नायब तहसीलदार हुजूर लोकेश चौहान, अतुल शर्मा कोलार, अनुराग त्रिपाठी टीटी नगर को नोटिस देकर जवाब मांगा है।

गोदाम में सीमेंट की बोरियां फिसलीं दबने से आठ मजदूर घायल

भोपाल। पुराने छोला मंदिर थाना इलाके में गुरुवार शाम गोदाम से सीमेंट भरते समय अचानक सीमेंट की बोरियां भरभराकर गिर पड़ीं। इस हादसे में आठ मजदूर बोरियों के नीचे दबकर घायल हो गए। सभी को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जाती है।यह है घटनाक्रम छोला मंदिर थाना प्रभारी सुरेशचंद्र नागर ने बताया कि इलाके में स्थित शंकर नगर में मायसेम सीमेंट का बड़ा गोदाम है। गुरुवार शाम को गोदाम से मिनी ट्रक में सीमेंट की बोरियां रखी जा रही थीं। मजदूर इन बोरियों को एक-एक करके उठाकर रख रहे थे। इसी दौरान गोदाम में काफी ऊंचाई तक जमी सीमेंट की बोरियां अचानक भरभराकर मजदूरों पर गिर पड़ीं। इससे आठ मजदूर बोरियों के नीचे दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल मजदूरों की निकालकर इलाज के लिए एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। घायलों में यावर खान, उधमसिंह कुशवाहा, विशाल राठौर, दिनेश प्रजापति, नरेंद्र करोसिया, अफसर खान, कमल सिंह एवं सोनू शामिल हैं। उपचार के बाद उनकी स्थिति में सुधार है। मानव के पैर का कटा पंजा मिलने से सनसनी उधर, निशातपुरा थाना इलाके के विश्वकर्मा नगर के नाले से गुरुवार सुबह पुलिस ने एक मानव के पैर का कटा हुआ पंजा बरामद किया हैं। उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। निशातपुरा थाना पुलिस के मुताबिक नाले के पास खेल रहे कुछ बच्चों ने कटा हुआ पंजा देखा था। उसके बाद पुलिस के पास सूचना पहुंची। पंजे को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेज दिया गया है। थाना प्रभारी रूपेश दुबे का कहना है कि नाले से कुछ दूर से रेलवे लाइन भी गुजरती हैं। संभवत: किसी व्यक्ति के रेल से कटने के दौरान पंजा नाले में गिर गया होगा।

पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग है भोज वेटलैंड

यहां 180 प्रजातियों के 50 हजार से अधिक परिंदे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। देश का दिल कहा जाने वाला मप्र, पर्यटन के लिहाज से भी एक अलग पहचान रखता है। अनेक धर्मों की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का समावेश आपको जहां एक अद्भुत राज्य का अहसास कराता है, वहीं असंख्य स्मारक, जटिल नक्काशीदार मंदिर, स्तूप, किले और महलों के लिए भी जाना जाता है। लेकिन इन सबसे हटकर प्रदेश की राजधानी को झीलों की नगरी के तौर पर जानना महत्वपूर्ण है। जहां आप कुदरत की कुछ खूबसूरत कलाकृतियों के अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। यहां आपको 5-10 नहीं बल्कि 170-180 प्रजातियों के 50 हजार से अधिक रंग-बिरंगे प्रवासी और देशी पक्षी देखने को मिलते हैं और इन पंछियों के अलावा भी यहां देखने के लिए बहुत कुछ है। यही कारण है कि यहां हर वर्ष यूरोप, आयरलैंड, ब्रिटेन और चीन समेत अन्य देशों से प्रवासी पक्षी भोपाल आते हैं।शहर में बड़ा और छोटा तालाब मिलकर भोज वेटलैंड बना है। यह विश्व के कुछ चुनिंदा रामसर स्थलों में से एक तो है ही, इसके साथ ही पर्यटन की दृष्टि से भी यह एक बेहतरीन स्थान है। आपको बता दें कि हमारे देश में जितने भी रामसर वेटलैंड्स हैं, उनमें से सबसे आसानी से पहुंच सकने वाली आद्रभूमियों में भोज वेटलैंड शामिल हैं। इसके साथ ही आपको यहां झील के चारों ओर खूबसूरत सड़क भी दिखेगी, जिससे आप झील के चारों ओर के सुन्दर नजारों का आनंद ले सकते हैं। भोज वेटलैंड में इन प्रजातियों के पक्षी लार्ज कार्मोरिंट, साइबेरियन स्टोन चैट, कामन शिफचैफ, गल, ब्लैक हेडेड गल, पर्पल हेरान, यूरेशियन कूट, स्पाट बिल्ड डक, लेसर व्हिसलिंग डक , यूरेशियन राइनेक, ग्रे लेग्ड गूज बर्ड्स, ब्लैक हेडेड आइबिस, ग्लासी आइबिस, रेड स्टार्ट, कामन स्निप जैसे पक्षियों के साथ ही रेड नेप्ड आइबिस, नार्दर्न शावेलर, कामन टील, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कामन पोचार्ड, ब्लैक हेडेड आइबिस, ब्लू थ्रोट, लेसर व्हाइट थ्रोट, ग्रीन सैंडपाइपर, पेंटेड स्टार्क, ब्राउन हेडेड, रेड नेप्ड आइबिस, ब्लैक हेडेड बंटिंग जैसी अनेकों प्रजातियों के पक्षी देखने को मिलेंगे। वेटलैंड में पक्षियों के अलावा भी बहुत कुछ सिर्फ पंछियों के लिए ही नहीं बल्कि यह वेटलैंड अन्य कई पौधों जैसे मैक्रोफाइट्स, फाइटोप्लांकटन व अनेक जीवों ज़ोप्लांकटन, मछली की अनेक प्रजातियों, कई तरह के कीड़ों और सरीसृपों के लिए जानी जाती है। इसीलिए जब भी आप यहां जाते हैं, यह शानदार जगह आपको बिल्कुल भी निराश नहीं करेगी। शहर के वाटर लेवल को मेंटेन करता है वेटलैंड बड़ा तालाब का क्षेत्रफल करीब 31 वर्ग किमी तक फैला है और 361 वर्ग किमी जलभराव क्षेत्र है। इसकी गहराई करीब 30 फीट है। बड़ा तालाब से भोपाल की करीब 30 प्रतिशत आबादी को जलापूर्ति की जाती है। यह राजधानी के 65 फीसदी क्षेत्र में वाटर लेवल को मेंटेन करता है। ऐसा होता है वेटलैंड धीरे-धीरे पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं। इनमें वेटलैंड ऐसी जगह को कहते हैं, जहां झील, दलदल, झील की तरह रुका हुआ पानी, जहां मछलियों से लेकर छोटे-छोटे जलीय जीव, घास के छोटे या बड़े मैदान आदि चीजे हों। हालांकि लगातार झीलों पर बढ़ते अतिक्रमण से ऐसी जगह समाप्त होती जा रही है, लेकिन भोज वेटलैंड में अभी भी आर्द्रभूमि और पक्षियों के लिए बेहतर आवास हैं।

सावधान! हर गली में खतरा बैठा है

सिटी चीफ भोपाल।

ग्वालियर। शहर में आवारा श्वानों की संख्या और उनके द्वारा लोगों पर हमला करने के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, लेकिन आवारा श्वानों की गिनती से लेकर उन्हें पकड़ने और उनकी नसबंदी करने की पूरी प्रक्रिया कागजों में ही चल रही है। पशुपालन विभाग के नियम के अनुसार हर चार साल में पशुगणना की जाती है। पिछली पशुगणना वर्ष 2022 में हुई थी, जिसमें जिले में गाय, भैंस, बकरियों, भेड़ों आदि पशुओं की संख्या 5.91 लाख दर्ज की गई, लेकिन आवारा श्वानों का कोई आंकड़ा मौजूद नहीं है, इसका कारण पशुगणना की खानापूर्ति है, क्योंकि डेढ़ माह चलने वाली गिनती में सिर्फ एक दिन ही आवारा पशुओं का सर्वे होता है, जिससे सटीक संख्या पता करना असंभव है। दिनों दिन विकराल होती जा रही इस समस्या पर जिम्मेदारों का कोई ध्यान नहीं है। पशुपालन विभाग द्वारा शहर में डोर-टू-डोर सर्वे कराकर पशुओं की गिनती का दावा किया जाता है। पिछली बार हुई पशुगणना में तकनीक का इस्तेमाल किया गया था।दावे खोखले साबित हो रहे ऐसे में आवारा श्वानों की गिनती के दावे खोखले साबित हो रहे हैं, उधर आवारा पशु प्रबंधन में लगा नगर निगम का मदाखलत अमला भी सिर्फ उन्हीं पशुओं को पकड़ता है, जिनसे यातायात बाधित होने की संभावना रहती है, इनमें सड़कों पर घूमने वाले आवारा सांड-बैल ही मुख्य रहते हैं। वर्तमान में आवारा श्वानों को पकड़ने की प्रक्रिया पूरी तरह से बंद पड़ी हुई है। एडवाइजरी जारी करने तक सीमित नगर निगम शहर में एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर के संचालन की जिम्मेदारी नगर निगम की है, लेकिन वर्तमान में ये सेंटर बंद पड़ा हुआ है। ऐसे में नगर निगम सिर्फ एडवाइजरी जारी करने तक ही सीमित है। गुरुवार को निगम के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डा. अनुज शर्मा ने एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि तापमान में गिरावट होने, ब्रीडिंग सीजन होने व खाने की कमी की वजह से डाग बाइट की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में जरूरी है कि ऐसी मादा श्वान, जिसके पास उसके बच्चे हों, उनसे दूरी बनाकर रखें।

ये कैसा अस्पताल..दर्द से कराहते मरीजों को चादर मिल रहीं न कंबल

ग्वालियर - जेएएच के न्यूरोसर्जरी-न्यूरोलाजी वार्ड में दर्द से कराहते मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक स्टाफ द्वारा मुहैया नहीं कराई जा रही हैं। हालात यह हैं कि यहां भर्ती मरीजों को लेटने के लिए एक चादर और ओढ़ने के लिए कंबल तक नहीं दिया जाता है। हम जब नर्सों के पास चादर मांगने जाते हैं तो वह हमें यह कहकर भगा देती हैं कि चादर और कंबल है ही नहीं तो आपको दे कहां से। ऐसे में मरीज को फटे गद्दे पर लेटकर इलाज कराना पड़ता है या फिर अपने घरों से चादर लाकर बिस्तर पर बिछाते हैं। इतना ही नहीं एक चादर अगर मिल भी जाए तो चार से पांच दिन तक एक ही चादर पलंग पर बिछा रहता है। जिससे मरीज को संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। बात अगर नियमों की करें तो इस बात का ध्यान अस्पताल प्रबंधन को रखना है कि अस्पताल में बाहर के चादर, बिस्तर आदि उपयोग में न लाए जाएं, लेकिन न्यूरोसर्जरी-न्यूरोलाजी में हालात यह हैं कि ज्यादातर लोग बाहर से ही चादर, कंबल आदि लाकर उनका उपयोग कर रहे हैं। जांच के लिए जाना पड़ता है हजार बिस्तर अस्पताल न्यूरोलाजी वार्ड में भर्ती मरीजों को जांच के लिए भी परेशान होना पड़ता है। रात में अगर कोई मरीज यहां पहुंचता है तो उसे जांच के लिए सैंपल लेकर एक हजार बिस्तर अस्पताल भेजा जाता है। इसके साथ ही अन्य जांच भी वार्ड में नहीं होती। मरीज को जांच के लिए स्वजन को हजार बिस्तर अस्पताल तक ले जाना पड़ता है। इसके बावजूद जिम्मेदार बेहतर व्यवस्था होने का दावा कर पल्ला झाड़ लेते हैं। साथ ही दूसरे की जिम्मेदारी होने की बात कहकर बचने का काम किया जाता है। यह हैं इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार न्यूरोसर्जरी-न्यूरोलाजी विभाग में मरीजों को परेशानी का सामना न करने पड़े और व्यवस्थाएं बेहतर हों इसकी जिम्मेदारी प्रबंधक अनिल मेवाफरोश और सहायक अधीक्षक डा. वीरेंद्र वर्मा की है, लेकिन इसके बाद भी मरीजों को न चादर मिल पा रहे हैं न कंबल। इतना ही नहीं मरीजों और उनके स्वजन को गंदे शौचालयों का भी सामना करना पड़ रहा है। बदबू के कारण मरीजों और स्वजन का बुरा हाल है। इसके बावजूद सब कुछ ठीक-ठाक होने का दावा किया जाता है।

रवींद्र भवन में शाम को सजेगी सुरों की महफिल

शहीद भवन में नाटक व शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शुक्रवार 02 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।राजभाषा सम्मेलन - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के शैल कला भवन में राजभाषा सम्मेलन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के शैल कला भवन में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन सुबह 11 बजे से शुरू होगा ।कार्यक्रम में राजभाषा पर वक्तव्य के बाद सांस्कृतिक प्रस्तुति वीथि संकुल अंतरंग प्रदर्शनी भवन में दी जाएगी। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। नाटक व भरतनाट्यम - कोपल राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव के दूसरे दिन शहीद भवन में नाटक हम क्यों नहीं गाते का मंचन और पूर्व रंग में भरतनाट्यम की प्रस्तुति होगी। समय शाम छह बजे से है। संगीत संध्या - स्वर विंग द बैंड संस्था की ओर से रवींद्र भवन में एहसास-3 संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शाम साढ़े छह बजे से भोपाल के गायक और मुंबई के संगीतकार प्रस्तुति देंगे।

बाटी सेंकने के दौरान आग से झुलसी महिला की मौत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के निशातपुरा थाना इलाके में बाटी बनाने के लिए कंडे सुलगाते समय आग से एक महिला झुलस गई। स्वजन ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां गुरुवार सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला अस्पताल में एक माह से ज्यादा समय से भर्ती थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर छानबीन शुरू कर दी है।निशातपुरा थाने के एसआइ राजेंद्र सोलंकी ने बताया कि 38 वर्षीय रामबाई पत्नी मुन्नालाल जाटव शंकर नगर में परिवार के साथ रहती थी। 21 दिसबंर को उसके घर में मेहमान आए थे। उनके भोजन के लिए वह दाल-बाटी बनाने की तैयारी कर रही थी। बाटी सेंकने के लिए उसने कंडों में आग लगाई थी, लेकिन वह ठीक से सुलग नहीं रहे थे। इस वजह से उसने कंडों के अंगारों पर केरोसिन छिड़क दिया। इससे अचानक आग का तेज भभका उठा, जिसकी चपेट में महिला भी आ गई और बुरी तरह झुलस गई। स्वजन ने उसे उपचार के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान गुरुवार सुबह रामबाई ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

संपादकीय

मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में वापसी के भरोसे की झलक

केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने अपने छठे बजट और पहले अंतरिम बजट को पेश करते हुए साफ संदेश दिया कि मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आने को लेकर पूरी तरह न सिर्फ आश्वस्त है बल्कि देश की अर्थव्यवस्था जो रोड मैप उसने अब तक तैयार किया है, उसी पर आगे बढ़ने के लिए भी दृढ़ संकल्प है। इस अंतरिम बजट में यह संदेश भी निहित है कि पूरी दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी दमदारी से आगे बढ़ रही है और ऐसे ही बढ़ती रहेगी। चूंकि यह अंतरिम बजट था, इसलिए इसमें किसी तरह की लोक लुभावन योजनाओं की घोषणाओं की उम्मीद किसी को भी नहीं थी।

खुद वित्त मंत्री ने कहा कि हमने अंतरिम बजट की परंपरा को जारी रखते हुए अंतरिम बजट में किसी तरह की लोकलुभावन घोषणाएं करने से परहेज किया है। हालांकि, बजट में थोड़ी बहुत राहते तो हैं। पूरा बजट मोदी सरकार दो माह बाद लोकसभा चुनाव में नया जनादेश लेकर प्रस्तुत करेगी। लेकिन वह भी अंतरिम बजट का विस्तार होगा, जिसमें देश में 'विकसित भारत' की अवधारणा के साथ देश के आर्थिक विकास का रोड मैप होगा। छोटा होने के बाद भी इस अंतरिम बजट में पूर्ण भावी बजट के संकेत छुपे है। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह देश के निर्माण का बजट है। हालांकि, इस का यह अर्थ कदापि नहीं है कि इस बजट के माध्यम से देश की प्रमुख समस्याओं जैसे कि बढ़ता कर्ज, बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई आदि का निदान हो जाएगा। लेकिन अगर दुनिया के बाकी देशों की अर्थव्यवस्थाओं के संकट के संदर्भ में देखें तो वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने देश की गुलाबी तस्वीर पेश करने का भरपूर प्रयास किया है। यह भी सच है कि देश की विभिन्न आंतरिक और बाहरी समस्याओं के बाद भी भारत की आर्थिकी अपनी चाल से आगे बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार बजट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि लोगों के हाथ पैसा आए। लेकिन पूर्ण बजट में हमे ऐसे प्रावधान देखने को मिल सकते हैं। यूं यह बजट अपने साथ कुछ रिकॉर्ड भी बना गया है। पहला तो देश की दूसरी महिला वित्त मंत्री होते हुए लगातार छठी बार बजट पेश करने का और अपने ही पूर्ववर्ती भाषणों की तुलना में सबसे छोटा यानी 58 मिनट का भाषण देने का कीर्तिमान भी उन्हीं के नाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में दूसरी बार सत्ता में वापसी के बाद जब निर्मला सीतारमन को अपना वित्त मंत्री बनाया था, तब उनकी क्षमताओं को लेकर कई सवाल भी तैर रहे थे, क्योकि इस देश में कुछ समय के लिए वित्त मंत्री के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का कार्यकाल छोड़ दें तो वित्त विभाग पुरूषों का अधिकार क्षेत्र रहा है। एक त्रासदी यह भी रही कि निर्मला सीतारमन के वित्त मंत्री बनने के एक साल बाद ही देश को कोविड से जूझना पड़ा, जिससे देश की आर्थिकी काफी गड़बड़ाई। लेकिन अब यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि कोविड के बाद वे फिर देश की आर्थिकी को काफी हद तक पटरी पर ले आई हैं और यह अंतरिम बजट भी आत्मविश्वास से भरा है। यह अंतरिम बजट मुख्यत: आर्थिक विकास की गति को कायम रखने और गरीब कल्याण के भाव से प्रेरित है, जो मुख्य रूप से 4 सेक्टरों पर फोकस है। ये हैं- गरीब, महिलाएं, युवा और किसान। सरकार को मालूम है कि चुनाव में मतदान की दृष्टि से इन्हीं वर्गों का महत्व सर्वाधिक है और इनके वोटों से ही सरकार के सत्ता में लौटने की आश्वस्ति भी बनती है। लिहाजा यह राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। केन्द्रीय वित्तमंत्री ने दावे के साथ कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में गरीबी घट रही है। सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।गरीब कल्याण योजना में ? 34 लाख करोड़ खातों में भेजे। इसी तरह वित्तमंत्री ने दावा किया आज देश में करीब 1 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनीं हैं, अब 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। युवाओं में कौशल विकास का जिक्र करते हुए वित्तमंत्री ने कहा कि देश में तीन हजार नए आईआईटी खोले गए हैं। 54 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। एशियाई खेलों में भारत के युवाओं को कामयाबी मिली है। अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र के योगदान और रोजगार की दृष्टि से लागू पीएम किसान योजना का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इससे 11.8 करोड़ लोगों को आर्थिक मदद मिली है। वित्त मंत्री ने कराधान प्रणाली, रक्षा बजट में वृद्धि तथा अन्य योजनाओं के संदर्भ में कहा कि डायरेक्ट या इनडायरेक्ट टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जबकि रक्षा खर्च में 11.1त्न की बढ़ोतरी की गई है। देश का रक्षा खर्च अब जीडीपी का 3.4त्न होगा। इसी तरह आशा बहनों को भी आयुष्मान योजना का लाभ देने, तिलहन अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री देने का ऐलान भी वित्त मंत्री ने किया। जहां तक मध्य वर्ग को कर राहत की बात है तो वित्त ने आयकर के वर्तमान स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया और न ही कोई नए टैक्स लगाए। अलबत्ता देश में कर संग्रहण की गुलाबी तस्वीर उन्होंने जरूर पेश की। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में 10 साल में इनकम टैक्स कलेक्शन तीन गुना बढ़ गया है। बजट में बढ़ता राजकोषीय घाटा चिंता का विषय है। वित्त मंत्री सीतारमन ने कहा कि वर्तमान राजकोषीय घाटा 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आगे हम इसे और कम करेंगे। मैंने टैक्स रेट में कटौती की है। प्रस्तुत अंतरिम बजट में 44.90 लाख करोड़ रुपए का खर्च है और 30 लाख करोड़ का रेवेन्यू आने का अनुमान है। विदेशी निवेश का जिक्र करते हुए सीतारमन ने कहा कि बीते 10 साल में देश में दोगुना एफडीआई आया। कंपनियों को राहत देने के उद्देश्य से बजट में कारपोरेट टैक्स को घटाकर 22 फीसदी कर दिया गया है। बजट में रेलों की गुणवत्ता सुधार की दृष्टि से वित्तमंत्री ने घोषणा की कि 40 हजार सामान्य रेल कोचेज वंदे भारत जैसे होंगे, ब्लू इकोनॉमी 2.0 के तहत नई योजना शुरू होगी, सरकार इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देगी। पिछले दिनो पड़ोसी देश मालदीव के सात रिश्ते तनावपूर्ण होने के बाद मोदी सरकार ने भारतीय समुद्री सीमा में स्थित लक्षद्वीप में अधोसंरचना विकास को बढ़ावा देने का ऐलान भी किया। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर में विकास के लिए सरकार ने 11.1त्न ज्यादा खर्च का प्रावधान किया है। साथ ही उन्होंने 50 साल के लिए 1 लाख करोड़ के ब्याज मुक्त लोन देने की बात भी कही। बजट में महिलाओं-बच्चों, मध्यम वर्ग का भी ध्यान रखा गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा कि सरकार लड़कियों के सर्वाइकल कैंसर के वैक्सीनेशन पर ध्यान देगी। इसी तरह मध्यम वर्ग के लिए नई आवास योजना लाई जाएगी, जिसके अंतर्गत अगले 5 साल में 2 करोड़ घर और बनाए जाएंगे। पीएम आवास के तहत 3 करोड़ घर बनाए गए हैं। कुल मिलाकर अंतरिम बजट आगामी पूर्ण बजट का ट्रेलर है। इसमे किसी किस्म की हड़बड़ाहट या जल्दबाजी नहीं दिखती। वित्त मंत्री सीतारमन ने कहा भी देश के अमृतकाल में हमारी सरकार ऐसी नीतियों को अपनाएगी, जिससे सभी का विकास हो। हम रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के रास्ते पर चलेंगे। अंतरिम बजट भी इस राह पर एक मजबूत कदम है।

आकलन: सबके साथ सबके विकास की ओर एक विवेकपूर्ण बजट, इन अटकलों पर लगा विराम

सामान्यत: केंद्रीय बजट से एक दिन पहले वित्तमंत्री लोकसभा में आर्थिक सर्वे प्रस्तुत करते हैं। इस वर्ष ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि 17वीं लोकसभा का कार्यकाल मई, 2024 में खत्म होने वाला है। एक फरवरी को नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का जो अंतिम बजट पेश किया गया, वह अंतरिम बजट था। 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव के बाद जो नई सरकार चुनकर आएगी, वह वर्ष 2024-25 के लिए नियमित बजट पेश करेगी। इस तरह से वर्ष 2024-25 के लिए दो बजट होंगे। दिलचस्प बात है कि वर्ष 1947-48 में यानी आजादी के पहले वर्ष में भी भारत के दो बजट पेश किए गए थे। संविधान सभा, जिसने 1947-48 का नियमित बजट पेश किया था, वह स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद खत्म हो गया। इसलिए 15 अगस्त, 1947 से 31 मार्च, 1948 तक के लिए आजाद भारत के पहले वित्तमंत्री एम. शण्मुखम चेट्टी ने 26 नवंबर, 1947 को बजट पेश किया। अंतरिम बजट में लेखानुदान शामिल है- वित्त वर्ष 2024-25 के पहले दो महीनों के लिए खर्च की स्वीकृति। यह वित्त और विनियोग विधेयकों के साथ नियमित बजट पारित होने तक सरकार को ठीक से काम करने में सक्षम बनाने के लिए अग्रिम अनुदान की तरह है। इसमें अनुदान की राशि आमतौर पर पूरे वर्ष के अनुमानित व्यय का छठा हिस्सा होती है। अंतरिम बजट में वार्षिक वित्तीय विवरण और राजस्व के साथ-साथ व्यय की भी चर्चा होती है। इसमें कोई नया कर प्रस्ताव नहीं है। हालांकि नियमित बजट चर्चा के बाद ही पारित किया जाता है, लेकिन एक परंपरा के रूप में लेखानुदान बिना चर्चा के पारित किया जाता है। अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि एनडीए सरकार ने पिछले दस वर्षों में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की तर्ज पर कदम उठाए और उसके सकारात्मक परिणाम निकले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले दिनों की गई घोषणा को दोहराते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि जुलाई में पूर्ण बजट में हमारी सरकार विकसित भारत के हमारे लक्ष्य का विस्तृत रोडमैप पेश करेगी। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, जब दुनिया कोविड महामारी के बाद के प्रभावों, भू-राजनीतिक उथल-पुथल, खासकर यूक्रेन-रूस संघर्ष और एक बड़ी आर्थिक मंदी से जूझ रही है, पिछले दस वर्षों में भारत का प्रदर्शन वास्तव में प्रशंसनीय रहा है। भारत ने 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में पिछले तीन वर्षों में भारत सबसे तेजी से विकास कर रहा है। वर्ष 2022 में जीडीपी के मामले में हम ब्रिटेन को पछाड़कर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लेकिन दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश के रूप में हमें प्रति व्यक्ति आय के मामले में विकसित देशों की बराबरी करने और यहां तक चीन तक पहुंचने के लिए मीलों चलना होगा। आजादी से पहले सदियों के अविकास या मामूली विकास की भरपाई के लिए हमें आने वाले वर्षों में दूसरों से तेजी से विकास करना होगा। हमारे कई पड़ोसियों, जैसे जापान, दक्षिण कोरिया और चीन ने वर्षों तक दोहरे अंकों की विकास दर बनाए रखी। ऐसे में कोई कारण नहीं है कि हम न केवल प्रति वर्ष सात-आठ फीसदी की विकास दर पाने का प्रयास करें, बल्कि उसे हासिल भी करें। नियमित आर्थिक सर्वे के बदले इस वर्ष जारी किया गया %द इंडियन इकनॉमिक: ए रिव्यू इस बात को लेकर आश्वस्त दिखता है कि हम 2023-24 में सात प्रतिशत या उससे अधिक की विकास दर हासिल करेंगे और 2024-25 में इसे दोहराएंगे। वर्ष 2024-25 के बजट ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया कि एनडीए सरकार एक लोकलुभावन बजट पेश करेगी। मोदी सरकार ने लोकलुभावन रास्ता छोड़कर दुस्साहस के ऊपर विवेक का रास्ता चुना है। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है कि कैसे देशों को अपने राजस्व से अधिक खर्च करने की नीतियों, बड़े राजकोषीय घाटे, उच्च मुद्रास्फीति और बाहरी मोर्चे पर भुगतान संतुलन की समस्याओं के कारण संकट उठाना पड़ा है। भारत जैसे विकासशील देश में खपत बढ़ाने और निवेश को प्रोत्साहित करने का दबाव लगातार रहता है। एनडीए सरकार ने राजस्व बढ़ाकर खर्च बढ़ाया है और अपने राजस्व से अधिक खर्च बढ़ाने तथा इस प्रक्रिया में राजकोषीय घाटा बढ़ाने के दबाव का लगातार विरोध किया है। राजकोषीय संकट के समय में देश अक्सर अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पाने के लिए बजटीय राजस्व जुटाने और खर्च घटाने में विफल रहते हैं। इसके अलावा, वे अक्सर सड़क, रेलवे व सिंचाई जैसी वस्तुओं पर पूंजीगत व्यय और शिक्षा व स्वास्थ्य पर खर्च कम कर देते हैं, जो दीर्घकालिक टिकाऊ विकास के लिए बहुत आवश्यक हैं। पर एनडीए ने ऐसा नहीं किया। इसका कुल खर्च संशोधित अनुमान के चरण में कमोबेश 45,000 अरब रुपये के बजटीय अनुमान के बराबर रहा और इसका राजकोषीय घाटा 2023-24 में 17,868 अरब (बजटीय अनुमान) से घटकर 17,348 अरब (संशोधित अनुमान) रहने की उम्मीद है। जीडीपी के अनुपात में, 2023-24 में राजकोषीय घाटे में केवल 10 आधार अंकों की कमी, बजट अनुमान पर 5.9 प्रतिशत से संशोधित अनुमान पर 5.8 प्रतिशत तक, आंशिक रूप से विभाजक में कमी के कारण सीमांत रही है। राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए एनडीए सरकार ने पूंजीगत व्यय में कटौती का आसान रास्ता नहीं अपनाया है। एनडीए सरकार को इसका श्रेय जाता है कि कर दरों में वृद्धि किए बिना, और ज्यादातर प्रक्रियाओं को सरल बनाकर तथा अनुपालन लागत को कम करके उसने राजस्व जुटाया है। जीएसटी लागू करने, कर प्रशासन सुव्यवस्थित करने और पैन व आधार को जोड़ने का लाभ खजाने को मिलने लगा है। वर्ष 2023-24 में निजी आयकर से प्राप्त राजस्व 9,006 अरब रुपये के बजट अनुमान से बढ़कर संशोधित अनुमान के चरण में 10,233 अरब रुपये पर पहुंच गया और इससे सीमा शुल्क व केंद्रीय उत्पाद कर से हुई राजस्व में कमी को पूरा किया गया। जीएसटी से राजस्व का पूर्वानुमान सटीक साबित हुआ और बजटीय अनुमान एवं संशोधित अनुमान समान रहा। कुल मिलाकर, वित्तीय लक्ष्य हासिल करने में प्रगति हुई है। अब ऐसा नहीं है कि सरकार बजट अनुमान में ऊंचे राजस्व लक्ष्यों की घोषणा करती है और फिर इसके खराब प्रदर्शन के लिए कई कारण गिनाती है। आगामी चुनाव में एनडीए और उसके घटक दल उम्मीद कर रहे हैं कि मतदाता मोदी सरकार की चतुर राजकोषीय नीतियों को अपना पूरा समर्थन देंगे।

जंगल में आग: हाशिये पर सुरक्षा के उपाय, दावानल के आगे बेबस हैं उत्तराखंड की वन पंचायतें

वनों का पर्यावरण संरक्षण में अहम योगदान है। खेती-बाड़ी, पानी, हवा, मिट्टी हमारा जीवन है और इसके लिए जंगल जरूरी हैं। आदिकाल से ही लोगों ने वन बचाने के लिए वन पंचायतें बनाई हैं। गांव में खेती एवं वन सुरक्षा के लिए चौकीदारी व्यवस्था को महत्व दिया गया था। जंगल पर निर्भर लोगों ने वनों से घास और लकड़ी लेने के नियम भी बनाए थे। इसके संकेत आज भी पहाड़ी और आदिवासी गांवों में दिखाई देते हैं, जहां जंगल के रास्ते पर लकड़ी के तराजू बने हुए हैं। जब लोग जंगल से घास, लकड़ी लेकर आते थे, तो वन पंचायत द्वारा नियुक्त चौकीदार वजन करता था। सभी लोग चौकीदार को हर फसल पर अनाज देते थे। जून से सितंबर के बीच में लोग चरागाहों में पशुओं को नहीं भेजते थे, क्योंकि इन महीनों में नई-नई घास और पौध जंगल में उगती है। उसकी सुरक्षा के लिए लोग पशुओं को घर पर रखकर ही चारे की व्यवस्था करते थे। इस तरह मनुष्य ने आदिकाल से ही अपनी खेती-बाड़ी के महत्व के लिए जंगलों का प्रबंधन करना शुरू कर दिया था। वर्ष 1815 में अंग्रेजों के आने से पहले लोग अपनी आजीविका के लिए भी वनों का प्रबंधन करते थे। वर्ष 1850 में अंग्रेज फ्रेडरिक विल्सन ने गंगा घाटी के उद्गम में स्थित हर्षिल में रहकर तत्कालीन टिहरी नरेश सुदर्शन शाह से सिर्फ 400 रुपये में शंकुधारी वनों का पट्टा लिया था। फिर उसने यहां के वनों का अंधाधुंध दोहन किया। गंगा घाटी की तमाम प्रजाति के पेड़ों को काटकर वे नदी के बहाव के साथ हरिद्वार तक ले गए और वहां से रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोलकाता तक पहुंचाया था। विल्सन ने जंगली जानवरों का भी शिकार किया। इसी दौरान वर्ष 1823 में गांव की सीमाओं का भी निर्धारण किया गया, जिसके जरिये वन भूमि पर लोगों के अधिकार को सीमित करने का प्रयास आरंभ हुआ था। अंग्रेजों ने इसके लिए वर्ष 1865 में पहला वन अधिनियम बनाया था। फिर वर्ष 1877 में वनों की सीमाओं को भी निर्धारित करने का काम हुआ। इस प्रक्रिया में खेती की जमीन को छोड़कर संपूर्ण भूमि सुरक्षित वन भूमि के रूप में बदली गई। अंग्रेजों के इस कानून के कारण ही वन भूमि पर लोगों को अतिक्रमणकारी मानने का सिद्धांत जारी हुआ। हालांकि अंग्रेजों की इस व्यवस्था के विरोध में लोग सड़कों पर उतरे थे। यह घटना 1915 -21 के बीच हुई है। इसके बाद अंग्रेज शासन ने एक शिकायत समिति का गठन कर आरक्षित वनों को दर्जा एक और दर्जा दो में बांटा, जिसमें लोगों के अधिकारों को लौटाने की व्यवस्था की गई। फिर 1925 में शिकायत समिति की संस्तुतियों के आधार पर मद्रास प्रेसीडेंसी स्थित कम्यूनिटी फॉरेस्ट की तर्ज पर उत्तराखंड में भी पंचायती वन व्यवस्था शुरू की गई। वर्ष 1931 में वन पंचायत नियमावली भी बनाई गई। वन पंचायत का गठन 1932 में प्रारंभ हुआ था। उस समय उत्तराखंड में राजस्व ग्रामों की संख्या 13,739 थी। वर्ष 1976 में भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 28 के अंतर्गत वन पंचायत नियमावली में संशोधन करके राजस्व विभाग को अधिकार दिए गए थे, जिसका बहुत विरोध हुआ। इसके बाद तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 1982 में 19 सदस्यों वाली सुल्तान सिंह भंडारी कमेटी बनाई, लेकिन उसके जितने भी संशोधन थे, वे मंजूर नहीं हो सके। निजीकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण के चरम दौर में विश्व बैंक की सहायता से संयुक्त वन प्रबंधन नाम की योजना लागू की गई और इसे चलाने के लिए वन पंचायत नियमावली में संशोधन किए गए। इसके बाद वन पंचायतों की स्वायत्तता को समाप्त करके वन विभाग के अधीन कर दिया गया और वन पंचायत सरकार की देखरेख में बनने लगी। इससे लोगों के हक-हकूक भी प्रभावित हुए हैं। अनुसूचित जाति के शिल्पकार और अन्य परंपरागत वन निवासी, जो रिंगाल और अन्य वन उत्पाद से आजीविका चला रहे थे, बेरोजगार हो गए। उनके समक्ष आजीविका का संकट खड़ा हो गया। उत्तराखंड में 12 हजार से अधिक वन पंचायतें हैं, जो सरकारी नियम-कानून से चलती हैं, पर वे जंगल की आग भी नहीं बुझा पातीं। इसका कारण है कि वन और खेती सुरक्षा के जो पुश्तैनी नियम-कानून थे, वे हाशिये पर चले गए।

प्रदोष व्रत के दिन करें ये उपाय, आर्थिक तंगी से मिलेगा छुटकारा

*सनातन धर्म में प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की पूजा-व्रत करने का विधान है। हर माह के कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत किया जाता है। ऐसा करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। इस बार माघ माह में प्रदोष व्रत 7 फरवरी को है। ज्योतिष शास्त्र में प्रदोष व्रत को लेकर कुछ उपाय बताए गए हैं, जिससे कई मुश्किलों से निजात पाया जा सकता है। **प्रदोष व्रत के उपाय** -इस दिन व्रत करने से भगवान शिव जी के साथ भगवान हनुमान जी प्रसन्न होते हैं। प्रदोष व्रत के दिन पूजा के दौरान ? ऐं श्रीम हनुमते, श्री राम दूताय नम: मंत्र का जाप करने से साधक आर्थिक तंगी से छुटकारा पाया सकता है। -प्रदोष व्रत के दिन भगवान भोलेनाथ का विधिपूर्वक अभिषेक करें और मां पार्वती को श्रृंगार की चीजें अर्पित करें। कहा जाता है कि इस उपाय को करने से इंसान का वैवाहिक जीवन सदैव सुखमय रहता है। -कुंडली में शुक्र दोष होने पर शादी में बाधाएं आती हैं। ऐसे में कुंडली में शुक्र को मजबूत करने के लिए प्रदोष व्रत के दिन जल में शहद और सफेद तिल डालकर भगवान शिव का अभिषेक करें और दीपक जलाकर पूजा करें। मान्यता है कि इस टोटके को करने से जातक की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है। **प्रदोष व्रत 2024 शुभ मुहूर्त** दैनिक पंचांग के अनुसार, माघ महीने की कृष्ण पक्ष की तिथि का आरंभ 7 फरवरी को दोपहर 02 बजकर 02 मिनट पर होगा और इसके अगले दिन यानी 8 फरवरी को सुबह 11 बजकर 17 मिनट पर तिथि का समापन होगा। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की पूजा सांध्यकाल में करने का विधान है। प्रदोष व्रत की पूजा-अर्चना 7 फरवरी को शाम 06 बजकर 05 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 41 मिनट तक के बीच में की जा सकती है।*

निराली है बाबा महाकाल की भस्म आरती, जानें भस्म चढ़ाते समय महिलाओं को क्यों करना होता है घूंघट

पूरे भारत में भगवान शिव के सबसे रहस्यमयी स्वरूपों में एक है महाकाल। धार्मिक नगरी उज्जैन में शिव का यह स्वरूप भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर में प्रतिदिन सुबह 4 बजे बाबा महाकाल का श्रृंगार किया जाता है और हर दिन 6 बजे आरती की जाती है। महाकाल मंदिर में बाबा के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी लाइन हमेशा ही रहती है। वहीं, भस्मआरती में भी हजारों भक्त बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। सुबह 4 बजे की जाने वाली ये आरती बेहद खास मानी जाती है, इसीलिए हर कोई चाहता है कि वे यदि बाबा महाकाल के दर्शन करने आ रहा है, तो भस्म आरती में जरूर शामिल हो, ये है परंपरा -बता दें कि यह आरती मंदिर में होने वाली सभी आरतियों में बेहद खास है। महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित अर्पित गुरु ने बताया कि इस आरती में बाबा महाकाल भस्म धारण करते हैं। जिस समय उन्हें भस्म अर्पित की जाती है उस समय महिलाओं को बाबा महाकाल के इस दृश्य को देखने से रोका जाता है। ऐसा माना जाता है कि उस समय बाबा महाकाल निराकार स्वरूप में रहते हैं। महिलाओं को भगवान शिव के इस स्वरूप के प्रत्यक्ष दर्शन करने की अनुमति नहीं होती।

पहले ऐसे की जाती थी आरती *-सुबह 4 बजे होने वाली आरती को भस्म आरती इसलिए कहा जाता है, क्योंकि महाकाल बाबा की पहली आरती के समय बाबा महाकाल का श्मशान में जलने वाली सुबह की पहली चिता की भस्म से श्रृंगार किया जाता था। इस भस्म से बाबा महाकाल का श्रृंगार हो इसके लिए भी लोग पहले से ही रजिस्ट्रेशन कराते हैं और मृत्यु के बाद उनकी भस्म से भगवान महाकाल का श्रृंगार किया जाता था।*

भस्मारती में त्रिपुंड से सजे बाबा महाकाल *- पौष कृष्ण पक्ष की सप्तमी शुक्रवार पर आज भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल को त्रिपुंड लगाकर श्रृंगार किया गया फिर भस्म रमाई गई।*

रोबोट की भूमिका निभाते वक्त कृति सेनन के सामने आईं चुनौतियां, बोलीं- शुरुआत में घुटन महसूस हुई

कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में कृति एक्टर शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। फिल्म में वे रोबोट की भूमिका निभा रही हैं। कृति और शाहिद दोनों फिलहाल इस फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। हाल ही में एक इवेंट के दौरान कृति सेनन ने बॉलीवुड में अपनी यात्रा के बारे में खुलकर बात की। **दूसरे कलाकारों से लेती हैं प्रेरणा**
कृति सेनन ने कहा कि वे इंडस्ट्री में अपने दम पर पहचान बनाने में यकीन रखती हैं। आगामी फिल्म में अपने किरदार पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हम तकनीक में आगे बढ़ रहे हैं और अब हमारे पास रोबोट हैं। तकनीक के मामले में हम कितना आगे जाएंगे अभी यह स्पष्ट नहीं है। अपने रोल के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं एक कलाकार के रूप में अन्य कलाकारों से प्रेरणा लेती हूं। हालांकि, रोबोट के रूप में भूमिका की अपनी सीमाएं हैं।

इन चुनौतियों का किया सामना
कृति ने आगे कहा, मेरा किरदार पूरी तरह से इंसान होने का भ्रम देता है, फिर भी वह ऐसा नहीं है। उस महीन रेखा पर चलना मेरे लिए रोमांचक था। शूटिंग के दौरान मैं सवाल पूछती रहती थी, यादा रोबोटिक तो नहीं हो रहा है? या यादा ह्यूमन तो नहीं हो रहा? इस किरदार को निभाते हुए आई चुनौतियों के बारे में कृति सेनन ने कहा, शुरुआत में थोड़ा घुटन महसूस हुई, क्योंकि मुझे लगा कि मेरे हाथ बंधे हुए हैं। हालांकि, वक्त के साथ सब बेहतर होता गया। सब कुछ तभी होता है जब उसे होना चाहिए।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म
फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया नौ फरवरी 2024 को रिलीज होगी। इसका निर्देशन अमित जोशी, अराधना साह ने किया। इस फिल्म में शाहिद कपूर और कृति सेनन पहली बार साथ में काम कर रहे हैं। कृति ने शाहिद के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, अब बतौर कलाकार मैं यादा कॉन्फिडेंट हूं। पहले उनके साथ स्क्रीन साझा करते हुए काफी नर्वस महसूस कर रही थी। लेकिन अब काफी आत्मविश्वास आ गया है।

या है इसका इतिहास

संजय लीला भंसाली ला रहे हैं वेब सीरीज 'हीरामंडी',

नई दिल्ली । फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की फिल्में उनका काम और उनकी लगन को बखूबी दर्शाती हैं. जिस फिल्म के साथ संजय लीला भंसाली का नाम जुड़ जाए, उस फिल्म को बड़ा और शानदार बनाने की जिम्मेदारी भी मेकर्स के साथ जुड़ जाती है. अपने प्रोजेक्ट पर बारीकी के साथ काम करना कोई भंसाली साहब से सीखे. फिर चाहे वो सितारों का पहनावा हो या फिर फिल्मों की शूटिंग के लिए तैयार किए गए बड़े-बड़े आलिशान सेट्स. इसी बीच फिल्ममेकर का अपकमिंग प्रोजेक्ट 'हीरामंडी' लगातार चर्चा में बना हुआ है. ऐतिहासिक और अनोखी कहानियां दिखाने के लिए मशहूर संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' की बीते दिन एक झलक देखने को मिली. जिसके बाद 'हीरामंडी' की चर्चाएं काफी तेज हो गई हैं. 'हीरामंडी' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी. लेकिन इस सीरीज से पहले हम आपको बताना चाहते हैं पाकिस्तान की 'हीरामंडी' का वो इतिहास, जिसके बारे में कम ही लोग जानते हैं और इसी की कहानी भंसाली साहब अपनी वेब सीरीज में लेकर आ रहे हैं.

क्या है 'हीरामंडी' का इतिहास? पाकिस्तान के हालौर में एक रेडलाइट एरिया है, जिसे 'हीरामंडी' के नाम से जाना जाता है. इतना ही नहीं इस इलाके को शाही मोहल्ला भी कहा जाता है. मिली जानकारी के अनुसार सिख महाराज रणजीत सिंह ने अपने मंत्री हीरा सिंह डोगरा के नाम पर 'हीरामंडी' का नाम रखा था. मंत्री हीरा सिंह ने यहां अनाज मंडी की शुरुआत की थी. संजय लीला भंसाली से पहले करण जौहर भी अपनी फिल्म कलंक में इसका जिक्र कर चुके हैं. 'हीरामंडी' की तवायफें दुनियाभर में मशहूर हुआ करती थीं. हालांकि बंटवारे से पहले इस कोठे पर हुए प्यार, धोखा और राजनीति के किस्से आज भी काफी मशहूर हैं. 'हीरामंडी' में एक से बढ़कर एक खूबसूरत महिलाएं रहा करती थीं. यहां अफगानिस्तान से लेकर उजबेकिस्ताम तक की महिलाएं आकर रहा करती थीं. हालांकि वो दौरा ऐसा था कि तवायफ शब्द को गंदा नहीं माना जाता था और नाही इसे गंदी निगाहों से देखा जाता था. मुगलकाल में 'हीरामंडी' में रहने वाली महिलाएं नृत्य, कला, संस्कृति और संगीत से काफी जुड़ी हुआ करती थीं और वह सिर्फ राजा-महाराजाओं के सामने ही अपनी कला का प्रदर्शन किया करती थीं. वक्त ने करवट बदली और मुगल के बाद 'हीरामंडी' पर विदेशियों ने राज करना शुरू किया. विदेशियों के राज में 'हीरामंडी' की चमक फीकी पड़नी शुरू हो गई. इन लोगों ने 'हीरामंडी' का मलतब ही बदलकर रख दिया और तो और विदेशियों ने वहां रहने वाली महिलाओं को वेश्या का नाम दे दिया.

कितना बदल गई 'हीरामंडी'? 'हीरामंडी' अब पहले की तरह शाही मोहल्ला नहीं रहा है. इसकी चमक वक्त के साथ-साथ गायब हो गई है. अब दिन में ये आमा बाजार की तरह रोजाना लगता है. जहां लोग अपनी जरूरत की चीजें खरीदा करते हैं. लेकिन ढलती शाम के साथ-साथ यहां का नजारा पूरी तरह से बदला हुआ नजर आता है. ये एरिया रेड लाइट एरिया में बदल जाता है.

संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी का फर्स्ट लुक आउट

मुंबई । संजय लीला भंसाली बॉलीवुड के लोकप्रिय फिल्म निर्देशक हैं। दर्शक उनकी बड़े बजट की फिल्मों को लेकर उत्सुक रहते हैं। अब वह सीरीज 'हीरामंडी' के जरिए ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इस सीरीज को लेकर दर्शकों में उत्सुकता है। इस तरह मेकर्स ने इस पॉपुलर सीरीज का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। सीरीज 'हीरामंडी' का फर्स्ट लुक अब सामने आ गया है। संजय लीला भंसाली की फिल्मों की एक खासियत होती है। बाजीराव मस्तानी, देवदास जैसी कई फिल्मों में उनके शानदार सेट ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। अब 'हीरामंडी' में भी दर्शकों को शाही वैभव, आकर्षक लेआउट, नाटकीय भव्य सेट देखने को मिलेंगे। सीरीज 'हीरामंडी' में रेड लाइट एरिया की कहानी दिखाई गई है। भारत और पाकिस्तान के विभाजन से पहले अफगानिस्तान और उज्बेकिस्तान की महिलाएं 'हीरामंडी' में बस गईं। इस सीरीज में दर्शकों को राजनीति, प्यार और धोखा जैसी कई चीजें देखने को मिलेंगी। कुल मिलाकर इस सीरीज की कहानी आजादी से पहले के भारत में वेश्यावृत्ति के धंधे पर आधारित है। संजय लीला भंसाली ने 'हीरामंडी' के बारे में बात करते हुए कहा, हीरामंडी मेरे अब तक के करियर की एक महत्वपूर्ण कृति है। यह एक ऐसी सीरीज है जो एक अलग विषय पर टिप्पणी करती है। एक महत्वाकांक्षी, भव्य श्रृंखला। इसलिए मैं इस सीरीज के लिए बहुत उत्साहित हूं। पिछले 14 सालों से मैं इस सीरीज पर काम कर रहा हूं। यह सीरीज अब नेटफ्लिक्स के जरिए दुनिया भर में रिलीज होगी। सीरीज 'हीरामंडी' में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख मुख्य भूमिका में हैं। इस सीरीज की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। ये सीरीज 2024 में ही दर्शकों के सामने आ सकती है।

तैमूर के बाद अब जेह के बर्ताव के कारण करीना हुईं ट्रोल

मुंबई । बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान हमेशा चर्चा में रहती हैं। कभी अपनी फिल्मों को लेकर तो कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर। करीना के दोनों बेटे तैमूर और जहांगीर भी लगातार फोटोग्राफर्स का ध्यान खींचते नजर आ रहे हैं। फिलहाल करीना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में उनका छोटा बेटा जेह जिस तरह से व्यवहार कर रहा है, उसे नेटिज़न्स ने सराहा है। करीना कपूर हाल ही में अपने पिता से मिलने पहुंचीं। उस वक्त दोनों बच्चे भी उनके साथ थे। करीना कार से उतर जाती हैं। तभी उनके दोनों बच्चे भी कार से उतरते नज़र आते है। एक तरफ तैमूर खड़े हैं तो दूसरी जेह गुस्से में दिख रहे हैं। जेह के हाथ में एक टिश्यू पेपर है। वह गुस्से में उसे नीचे फेंक देता है। उस समय उसकी देखभाल करने वाली नानी कागज उठाती है। ये सब देख करीना जेह से बिना कुछ कहे वहां से चली जाती हैं। इसे देखकर नेटिजन्स ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। करीना कपूर ने 16 अक्टूबर 2012 को बॉलीवुड के नवाब सैफ अली खान से शादी की थी। शादी के 5 साल बाद उन्हें तैमूर मिला। शुरुआत में तैमूर की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए। फिर 2021 में करीना दोबारा मां बनीं। उन्होंने जहांगीर को जन्म दिया। सब उसे जेह कहकर बुलाते हैं। फिलहाल जेह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

सोनू सूद मानवीय योगदान के लिए 'चैंपियंस ऑफ चेंज' पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई । मशहूर अभिनेता सोनू सूद को उनके उत्कृष्ट मानवीय प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित 'चैंपियंस ऑफ चेंज' पुरस्कार मिला है। अपने निस्वार्थ प्रयासों के लिए प्रसिद्ध सूद ने सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए व्यापक प्रशंसा अर्जित की है, जिसके लिए उन्हें कई प्रशंसाएं मिली हैं। अपने धर्मार्थ संगठन 'द सूद फाउंडेशन' के माध्यम से अभिनेता ने शिक्षा के मामले में वंचितों की मदद की है। गरीबों के उद्यमों को बढ़ावा देने में सहायता देकर उन्होंने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट, वृद्धाश्रम निवास पर भी काम शुरू कर दिया है। समय के साथ विभिन्न समुदायों के उत्थान के लिए उनकी विश्व स्तर पर प्रशंसा की गई है। 'चैंपियंस ऑफ चेंज' सम्मान उनकी सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति उनके योगदान को दर्शाता है। सोनू सूद ने निर्देशक के रूप में अपनी पहली फिल्म 'फतेह' पूरी कर ली है। यह एक साइबर क्राइम थ्रिलर है जिसमें सूद और जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में हैं। सूद की प्रोडक्शन कंपनी शक्ति सागर प्रोडक्शंस ने इसे ज़ी स्टूडियो के सहयोग से निर्मित किया है।

कामिनी कौशल को आउटस्टैंडिंग लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

जयपुर । जयपुर अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में इस बार हिन्दी सिनेमा की ख्यातिनाम और वरिष्ठतम अभिनेत्री कामिनी कौशल को आउटस्टैंडिंग लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया जाएगा। उनके साथ ही राजस्थानी सिनेमा के विश्वकोश के रचियता सिने इतिहासकार मुरलीधर सोनी को भी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया जाएगा। यह घोषणा जिफ के संस्थापक निदेशक हनु रोज ने बुधवार को जयपुर में की। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इस फिल्म समारोह का 16 वां संस्करण 9 से 13 फरवरी तक आयनॉक्स जी टी सेन्ट्रल, जयपुर में होगा। प्रतिष्ठित अभिनेत्री कामिनी कौशल ने 1946 की चेतन आनंद की फिल्म 'नीचा नगर' से फिल्मों में प्रवेश किया और नायिका तथा चरित्र अभिनेत्री की यादगार भूमिकाएं करते हुए एक लंबी और सफल पारी खेली। उन्होंने टीवी धारावाहिक और कठपुतली कला में भी अपने काम की छाप छोड़ी। उनके उल्लेखनीय करियर, कला के प्रति उनके समर्पण और सिनेमा की दुनिया पर उनके गहरे प्रभाव के लिए यह पुरस्कार दिया जा रहा है।

रश्मिका मंदाना ने डीपफेक वीडियो पर खुलकर की बात

बोलीं- 'मेरे कॉलेज में ऐसा होता तो

मुंबई- रश्मिका मंदाना का दो महीने पहले नवंबर में लिफ्ट में एंट्री करने का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था. पिछले हफ्ते, दिल्ली पुलिस ने अभिनेत्री के डीपफेक के पीछे मुख्य अपराधी को गिरफ्तार करने का दावा किया था. अब, अभिनेत्री ने भी एक इंटरव्यू में अपने अनुभव के बारे में खुलासा किया है और बताया है कि उन्होंने इस मुद्दे पर क्यों बात की. रश्मिका ने नए इंटरव्यू में इस बारे में विस्तार से बात की कि उन्हें इस घटना के बारे में कैसा महसूस हुआ और कहा, 'कई बार ऐसा होता है, और आप इसके बारे में बोलते हैं, और कोई ऐसा कहता है, 'लेकिन आपने यह नौकरी चुनी है!' या आप जानते हैं, 'ऐसा ही होने वाला है.' 'जैसे, अब आप इसके बारे में क्यों बात कर रहे हैं?' मेरे दिमाग में, मैं केवल यही सोच रही थी कि अगर कॉलेज में मेरे साथ ऐसा होता, तो मेरे पास आकर मेरा समर्थन करने वाला कोई नहीं होता. क्योंकि हमारी संस्कृति में कुछ ऐसा है कि समाज हमारे बारे में जो सोचता है वही हम सोचते हैं .जैसे कि हमें वैसा बनना होगा और प्रतिक्रिया देनी होगी जैसे समाज हमसे चाहता है, आप जानते हैं, सोचें और प्रतिक्रिया करें, ठीक है?'

'वो जागरूकता लाना मेरे लिए महत्वपूर्ण था'
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'तो कल्पना कीजिए कि अगर उनके कॉलेज की किसी लड़की को भी इसी चीज से गुजरना पड़ा था. और मुझे ऐसा लगता है, यार, मैं सच में उनके लिए डरी हुई हूं. और अगर मैं इसके बारे में बात कर रही हूं, तो कम से कम 41 मिलियन लोग ऐसे हैं जो पता है, ठीक है, डीपफेक नाम की कोई चीज होती है. और यह सही नहीं है. कुछ ऐसा है जो इमोशन्स को ला रहा था और आम तौर पर लोगों में तनाव पैदा कर रहा है. इसलिए मुझे लगता है कि जागरूकता लाना मेरे लिए महत्वपूर्ण था.'

डीपफेक वीडियो के मेकर्स की गिरफ्तारी पर रश्मिका ने जताया पुलिस का आभार इससे पहले, जब वीडियो के निर्माता को गिरफ्तार किया गया था, तो रश्मिका ने पुलिस का आभार व्यक्त किया था और अपने प्रशंसकों के लिए एक संदेश भी साझा किया था.

सुनील शेट्टी के साथ शो को जज करेंगी माधुरी दीक्षित

कहा- पता नहीं पहले क्यों नहीं किया साथ काम

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 17 खत्म हो गया है। बिग बॉस 17 के बाद अब इस समय पर डांस दीवाने शुरू हो रहा है। डांस दीवाने का प्रीमियर 3 फरवरी 2024 को होगा। रियलिटी शो डांस दीवाने का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हर बार की तरह इस बार भी शो को अभिनेत्री माधुरी दीक्षित जज करती हुई नजर आएंगी, लेकिन इस बार माधुरी के साथ जज की कुर्सी पर अभिनेता सुनील शेट्टी भी नजर आएंगे। अभिनेत्री ने सुनील शेट्टी के साथ शो को सह-जज करने पर अपना उत्साह साझा किया है।डांस दीवाने के पिछले सीजन में जजों में धर्मेश येलांडे और पुनित पाठक के साथ माधुरी दीक्षित नजर आई थीं। हालांकि इस बार वह शो में सुनील शेट्टी के साथ शो के जज पैनल में शामिल हुई हैं। सुनील शेट्टी के साथ जजों के पैनल में शामिल होने को लेकर अपना उत्साह साझा करते हुए माधुरी ने कहा, सुनील शो में कमाल के हैं। यह उनके साथ मेरा पहला सहयोग है और मुझे नहीं पता कि हमने पहले कभी एक साथ काम क्यों नहीं किया। हालांकि, हमने फिल्मों में स्क्रीन साझा नहीं की है, फिर भी यह अवसर सामने आया है और मैं इसका भरपूर आनंद ले रही हूं। माधुरी दीक्षित ने आगे कहा, शुरू-शुरू में मुझे उनकी ओर से कुछ आशंका महसूस हो रही थी, जैसे ही उन्होंने सेट पर कदम रखा और अपने कमेंट साझा करना शुरू किया, मैं उनकी सहजता से बहुत प्रभावित हुई। उनके बात करने का तरीका अद्भुत है, जब दर्शक उन्हें जज के रूप में देखेंगे तो वे उनसे बेहद प्यार करेंगे।वहीं, माधुरी के साथ सह-जज के रूप में शो में शामिल होने पर सुनील शेट्टी ने कहा कि वह बहुत देखभाल करने वाली हैं। साथ ही उन्होंने माधुरी को अभिव्यक्तियों और डांस की रानी कहा। उन्होंने कहा, वह मेरी देखभाल के बारे में बहुत सोच-

विचार कर रही थीं। क्योंकि वह जानती थीं कि मैं कुछ नया करने जा रहा हूं। उन्होंने इसे खूबसूरती से किया और सिर्फ उन्होंने ही नहीं, पूरी टीम और भारती ने मेरे लिए इसे बहुत आसान बना दिया। टीम ने मुझे सिखाया है कि सब कुछ कैसे काम करता है और वे सभी बहुत अछे हैं।उन्होंने कहा, मैं अब सेटल हो गया हूं। माधुरी भावों और डांस की रानी हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सीखने का अनुभव है। मैं यहां से बहुत सी चीजें घर ले जाऊंगा और एक अभिनेता और इंसान के रूप में मैं हमेशा उनसे प्रभावित रहा हूं। उन्होंने आगे हंसते हुए कहा, मैं मंच पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं और उन्हें देखने पर कम। डांस दीवाने को भारती सिंह होस्ट करेंगी। यह 3 फरवरी 2024 से हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे कलर्स पर प्रसारित होगा।

शासकीय उचित मूल्य दुकान सेमरा बुजुर्ग एवं हरद्वानी के आवंटन हेतु ऑनलाईन आवेदन 07 फरवरी तक

दमोह जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र जनपद पंचायत पथरिया में शासकीय उचित मूल्य दुकान सेमरा बुजुर्ग एवं हरद्वानी के आवंटन हेतु पात्र संस्थाओं से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया उक्त उचित मूल्य दुकानों हेतु ऑनलाईन आवेदन विभागीय वेबासाईट www.ration-mitra.nic.in के माध्यम से 07 फरवरी 2024 तक किये जा सकेंगे। विस्तृत जानकारी कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) दमोह अथवा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने के उपरांत हार्डकापी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय में 09 फरवरी 2024 तक जमा किया जाये। उन्होंने बताया ग्रामीण क्षेत्र में शासकीय उचिम मूल्य दुकान के संचालन हेतु मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 10 की उपधारा (1) के अंतर्गत वर्गीकृत सोसायटी अंतर्गत उपभोक्ता सोसायटी, विपणन सोसायटी, उत्पादक सोसायटी, संसाधन सोसायटी एवं बहुप्रयोजन सोसायटी तथा महिला स्व-सहायता समूह एवं संयुक्त वन प्रबंध समिति आदि संस्थायें आवेदन कर सकती है।

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा शासकीय रेल्वे क्वाटर चोरी करने वाले आरोपियो को मय माल के चंद घण्टो मे किया गिरफ्तार

दमोह, पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह द्वारा लगातार चोरी एवं नकबजनी के प्रकरणो मे विशेष रुचि लेकर मशरूका की तलाश एवं आरोपीगणो की धरपकड हेतु सभी थाना प्रभारीगणो को निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य मे दिनांक 30.01.24 को राजेन्द्र पिता स्व. उमाशंकर शुक्ला उम्र 57 साल निवासी रेल्वे क्वाटर के पीछे मागंज वार्ड 5 दमोह द्वारा थाना कोतवाली मे रिपोर्ट लेख करायी थी कि आरपीएफ मे उनि. जितेन्द्र देव मिश्रा शाँदी समारोह में बाहर गये हुये थे जो उनि. जितेन्द्र देव मिश्रा के शासकीय क्वाटर से रात्री मे अज्ञात चोरो द्वारा सोने की चैन, अंगठी, चाँदी के सिक्के, चाँदी की चूडी पायल एवं एलईडी टीव्ही सोनी कंपनी की चोरी हो कर ले गये जो थाना कोतवाली पुलिस द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर चोरी के मामले में सलित आरोपीगणो की लगातार साईबर सेल के सहयोग से तलाश की गयी जो कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा घटना दिनांक को चोरी में संलिप्त दो विधि विरुद्ध बालको को चोरी गये माल के गिरफ्तार किया। **जप्त मशरुका-एलईडी टीवी सोनी कंपनी की, चांदी का सामान, 25500/- रुपए प्रति व्यक्ति** पंचायत कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों के नाम मण्डल अध्यक्ष आनन्द सिंह ठाकुर, विश्वविद्यालय। प्रदीप चौधरी, प्र.आर. संजय पाठक, महेश यादव, साइबर सेल स्टाफ, संरक्षक नरेंद्र, दार्शनिक, कृष्णकुमार, आकाश एवं प्र. आर, 765 कामता की अहम भूमिका रही।

कॉलेज चलो अभियान के तहत् राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं प्रवेश हेतु आयोजित हुई कार्यशाला

शाजापुर, आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के आदेशानुसार बीकेएसएन शासकीय अग्रणी महाविद्यालय शाजापुर के प्राचार्य डॉ.एस.के.तिवारी के नेतृत्व में कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुमार बोड़ाने, डॉ. वीपी मीणा एवं डॉ. दिनेश निंगवाल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्कूल ज्योति नगर पहुंचे। रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार बोड़ाने ने विद्यार्थियों को पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। डॉ. वीपी मीणा ने एनसीसी एवं डॉ. दिनेश निंगवाल ने एनएसएस एवं विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य डॉ.एस.के.तिवारी ने महाविद्यालय की जानकारी देकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अधिक से अधिक प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के वरिष्ठ अध्यापक श्री रविन्द्र महिवाल ने किया। आभार स्कूल के प्रभारी प्राचार्य श्री योगेश भावसार ने व्यक्त किया, कार्यक्रम के दौरान श्री प्रतीक शर्मा एवं अन्य विद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

जिला मुख्यालय से हुआ बोर्ड परीक्षा के प्रश्न-पत्रों का वितरण

मार्च के बजाए फरवरी माह में ही होंगी कक्षा 10वी-12वी की परीक्षाएं

शाजापुर, मार्च के पहले सप्ताह से होने वाली बोर्ड की परीक्षाएं इस वर्ष फरवरी माह में ही होंगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। गुरूवार को इसके लिए सभी 59 केंद्रों को परीक्षा सामग्री का वितरण जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय से किया गया। जिन्हें पुलिस अभिरक्षा में रखा जाएगा और परीक्षा वाले दिन ही संबंधित केंद्रों पर परीक्षा सामग्री भेजी जाएगी। दरअसल हर वर्ष कक्षा 10वी और 12वी की परीक्षाएं मार्च माह मे शुरू होती हैं, लेकिन इस वर्ष लोकसभा चुनाव भी होना है जो संभवतया मई माह में होंगे। इसके लिए परीक्षाएं एक माह पहले आयोजित की जा रही हैं। जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी है। इसके लिए बनाए गए सभी 59 केंद्रों की परीक्षा सामग्री का वितरण सभी केंद्रों के लिए किया गया। जिन्हें पुलिस अभिरक्षा मे रखा जाएगा और 5 फरवरी से इनका वितरण संबंधित केंद्रों को किया जाएगा।

हर ब्लॉक में एक-एक संवेदनशील केंद्र

परीक्षा बिना बाधा के और निष्पक्ष रूप से हों इसके लिए पुलिस व्यवस्था तो रहेगी ही। वहीं जिले में चार संवेदनशील केंद्र हैं जो चारों ब्लॉक में एक-एक हैं, जहां अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही अधिकारियों की भी इन पर विशेष निगाह रहेगी।

परीक्षार्थी जुटे तैयारी में

इस वर्ष लोकसभा चुनाव भी हैं जिसके चलते विद्यार्थियों को भी यह पहले से ज्ञात था कि इस बार परीक्षाएं जल्दी होना है जिसकी तैयारियां उन्होंने कई दिनो पहले से शुरू कर दी थी। वहीं अब अब उनके पास एक सप्ताह भी शेष नही है ऐसे में विद्यार्थी परीक्षा की तैयारियां पूरी करने में जुटे हुए हैं।

चरनोई भूमि पर अतिक्रमण की सूचना पर पहुंचा प्रशासनिक अमला

एसडीएम ने कहा 10 दिन में जांच पूरी करेंगे, तब होगी कार्रवाई

शाजापुर, समीपस्थ ग्राम पतोली स्थित जमीन पर अतिक्रमण की जानकारी मिलने पर गुरूवार को प्रशासनिक अमला पहुंचा ओर दोनो पक्षों से जांच की। मामले को लेकर एसडीएम ने 10 दिन का समय मांगा है जिसमें जांच पूरी कर निष्पक्ष कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

गुरूवार को ग्राम पतोली में स्थित पुलिस चेक पोस्ट एवं चरनोई की भूमि पर अतिक्रमण का मामला सामने आया था। ग्रामीणों की शिकायत के बाद मौके पर एसडीएम नरेंद्रनाथ पांडे, एसडीओपी गोपालसिंह चौहान, तहसीलदार एवं राजस्व विभाग की टीम पहुंची। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए। मौके पर पंचनामा बनाकर एसडीएम ने दस दिन में जांच करने के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

यह था मामला-पटवारी हल्का पतोली में सर्वे नंबर 919/1 पुलिस चेक पोस्ट और 919/2 चरनोई भूमि के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। ग्रामीणों ने मांगलिक भवन बनाने के लिए सर्वे नंबर 919/2 पर आवेदन देकर प्रशासन से अनुमति चाही है। वहीं ग्रामीणों ने शिकायत की कि उक्त भूमि को भूमाफियाओं द्वारा सरकारी कागजों में हेर-फेर कर बेचा जा रहा है। शिकायत मिलने पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम वहां पहुंची। मौके पर प्लाट के निशान भी थे। पुलिस चेक पोस्ट की जमीन पर पहले भी कब्जे की कोशिश हुई थी लेकिन तत्कालीन एसपी शेलेन्द्र सिंह चौहान ने कार्रवाई करते हुए कब्जा हटाया था।

इनका कहना है....पुलिस चेक पोस्ट और चरनोई की भूमि पर अवैध कब्जे की जानकारी मिली है। जिसके चलते यहां आकर मौके पर निरीक्षण किया। तहसीलदार को दस दिन में पूरे मामले की जांच कर प्लाट बेचने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा जमीन का सीमांकन कब्जे की भी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने ली महाविद्यालय स्टॉफ की बैठक

विकास कार्यों पर की चर्चा, परिचय भी लिया

शाजापुर, एबी रोड स्थित नवीन कॉलेज में विधायक अरूण भीमावद ने महाविद्यालय स्टॉफ की बैठक ली। गुरूवार को विधायक ने महाविद्यालय के सभी स्टॉफ कर्मियों से परिचय प्राप्त कर यहां के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय में विधायक भीमावद का तिलक लगाकर एवं पुष्पहारों से स्वागत किया। इसके बाद विधायक भीमावद ने महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ से परिचय लेकर महाविद्यालय में अच्छे वातावरण बनाए रखने एवं महाविद्यालय के विभिन्न समस्याओं तथा विकास कार्यो को लेकर चर्चा की। विधायक ने महाविद्यालय के नवीन भवन सहित अन्य सुविधाओं के लिए उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में भी अवगत कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने भी विधायक अरूण भीमावद को ज्ञापन सौंपा जिसमें जनभागीदारी निधि से कार्यरत गैर शैक्षिक कर्मचारियों को नियमित करने के संबंध में आए पत्र का हवाला देते हुए स्थाई कर्मी नियुक्त करने की मांग की गई।

विधायक ने ली महाविद्यालय स्टॉफ की बैठक

विकास कार्यों पर की चर्चा, परिचय भी लिया

शाजापुर, एबी रोड स्थित नवीन कॉलेज में विधायक अरूण भीमावद ने महाविद्यालय स्टॉफ की बैठक ली। गुरूवार को विधायक ने महाविद्यालय के सभी स्टॉफ कर्मियों से परिचय प्राप्त कर यहां के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय में विधायक भीमावद का तिलक लगाकर एवं पुष्पहारों से स्वागत किया। इसके बाद विधायक भीमावद ने महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ से परिचय लेकर महाविद्यालय में अच्छे वातावरण बनाए रखने एवं महाविद्यालय के विभिन्न समस्याओं तथा विकास कार्यो को लेकर चर्चा की। विधायक ने महाविद्यालय के नवीन भवन सहित अन्य सुविधाओं के लिए उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में भी अवगत कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने भी विधायक अरूण भीमावद को ज्ञापन सौंपा जिसमें जनभागीदारी निधि से कार्यरत गैर शैक्षिक कर्मचारियों को नियमित करने के संबंध में आए पत्र का हवाला देते हुए स्थाई कर्मी नियुक्त करने की मांग की गई।

इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन (इंटक) मैहर के जिला अध्यक्ष नियुक्त हुए पुष्पराज द्विवेदी (राजा भईया)

मैहर, इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन (इंटक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. संजीव रेड्डी के निर्देशानुसार पुष्पराज द्विवेदी को मैहर जिले का जिल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है साथ ही पुष्पराज द्विवेदी को यह निर्देश दिया गया है कि मैहर जिले किकार्यकर्णी नियुक्त कर जिला कार्यालय का संचालन किया जाए। पुष्पराज द्विवेदी राजा को जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके सभी मार्गदर्शकों एवं साथियों ने बढ़ाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की सतना जिला काग्रेस अध्यक्ष दिलीप मिश्रा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मैहर धर्मेश घई , ब्लॉक अध्यक्ष मैहर प्रभात द्विवेदी, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल, जिला पंचायत सदस्य देवदत्त सोनी, चंद्रकांत राजा चौरसिया, पुष्पेंद्र तिवारी, अजीर बिहारी द्विवादी, अरुण तनय मिश्रा, अमजद खान, राकेश सिंह, रामप्रसाद पांडेय, अखंड प्रताप सिंह, विपिन सिंह हिनौता, रजनीश शर्मा, शिवम पांडेय, चूड़ामणि बढ़ोलिया.

जुर्म करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है, पुलिस की गिरफ्त में आपियों ने लगाए नारे, जानें मामला

रतलाम में तीन दिन पूर्व पुजारी के घर में घुस कर चाकू से हमला करने वाले मुख्य आरोपी सहित एक अन्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों को मौका मुआयना करने के लिए लेकर जा रही थी इसी दौरान पुलिस वाहन खराब हो गया जिसके बाद दोनो आरोपियों को पुलिस पैदल ही घटना स्थल पर लेकर पहुंची। आरोपियों और को देख घायल पुजारी की पत्नी जोर जोर से रोने लगी और अपनी पीड़ा व्यक्त की उन्होंने कहा की भगवान ऐसा दिन किसी को ना दिखाए इन आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाया जाए और इन्हे सख्त से सख्त सजा मिले। रतलाम को स्टेशन रोड़ थाना पुलिस ने पुजारी को चाकु मारने वाले बदमाश भय्यू उर्फ यश पिता मधुसूदन मराठा निवासी भंडारी गली और रेहान पिता जब्बार खान निवासी जूनी कलालसेरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार दोनों बदमाशों को थाने के वाहन से घटनास्थल लेकर जा रही थी इसी दौरान रास्ते में पुलिस वाहन खराब हो गया। जिसके बाद पुलिस दोनों बदमाशों को पैदल ही जुलूस निकालते हुए लेकर पहुंची। जब पुलिस दोनो बादामशों को लेकर पुजारी के घर पहुंची। तब घायल पुजारी की पत्नी की आंखों में आंसू आ गए। वह रोते बोली की इन्हें सख्त से सख्त सजा दी जाए। जो मेरे साथ हुआ है वह किसी के साथ ना हो। इनका घर पर बुलडोजर चलाया जाए। बाद में पुलिस दोनों बदमाशों के घर भी इन्हें पैदल जुलूस के रूप में ले गई। स्टेशन रोड थाने के सब इंस्पेक्टर आनंद बागवान ने बताया कि दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शेष की तलाश की जा रही है। घायल पुजारी अभी उपचाररत है।आंखों में आसू लिए रोते हुए पुजारी की पत्नी ने कहा कि मैंने वह हादसा कैसे देखा में जानती हुं। रात भर मेरा पति यहां चाकू खाता रहा। किसी ने नहीं सुनी.... मैं अकेली यहां चिल्लाती रोती रही। मैंने गेट जरा सा अपने पति को बचाने के लिए खोला तो इन गुंडों ने मुझ पर अटैक किया। मेरे कपड़े फाड़ दिए और मेरे को धमकी दे रहे थे। हम लोगों को अगर तुम्हारी बेटी नहीं मिली तो मैं तुम सबको मार डालूंगा। मेरा बेटा अंदर खिड़की में से चिल्लाता रहा मेरे पापा को बचा। किसी ने भी नहीं सुनी। कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। पैदल चलते हुए दोनों बदमाश पुलिस की गिरफ्त में कहते चल रहे थे ...अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है।

अपोलो हॉस्पिटल पर नगर निगम का 20 हजार का स्पॉट फाइन

इंदौर, आज सुबह स्कीम नंबर 74 अपोलो हॉस्पिटल द्वारा मेडिकल वेस्ट और कचरा वार्ड 34 में खाली प्लाट पर फेंका गया था, जिस पर एविडेंस के आधार पर हॉस्पिटल पर सीएसआई संजय घावरी सहायक सीएसआई विजय निधान , प्रभारी दरोगा, सुनील पटवाने, वार्ड 34 के प्रभारी दरोगा, विनय मैनडेड और टीम फीडबैक फाउंडेशन की उपस्थिति में 20,000 हजार रुपए का स्पॉट फाइन बनाया गया।टीम द्वारा समझाइश दी गई की अस्पताल से निकलने वाला कचरा को निगम की गाड़ी में ही डालें अन्यथा अगली बार से 50000 से 1 लाख तक का स्पॉट फाइन किया जाएगा।

खजराना नहारशाह वली दरगाह कमेटी ने किया उर्स कव्वाली का समय परिवर्तन और सासन के नियम का पालन

इंदौर, मध्यप्रदेश के इंदौर की प्रसिद्ध दरगाह नहारशाह वली के उर्स चल रहे हैं जिसमे कव्वाली का प्रोग्राम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कराया जा रहा है लेकिन सरकारी नियमो का पालन करते हुए दरगाह कमेटी ने कव्वाली का समय परिवर्तन किया है जोकि अब दोपहर 3 बजे से रात 10 बजे तक रहेगा वक्फ कमेटी के ज़िला अध्यक्ष रेहान शैख और नहरशाह वली दरगाह कमेटी के अध्यक्ष डॉ रिजवान पटेल ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी।

हुनर ऑनलाइन दे रही है महिलाओं को एक नई पहचान

इंदौर। आरंभ हाल में हुनर की टीम ने की स्किल डेवलपमेंट की एक कार्यशाला। उसमे 200 से भी ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया। हुनर की वर्कशॉप टीम से विजय दुबे, निकिता, श्वेता, शाहीन ने एक नया स्किल सिखाया। हुनर ऑनलाइन की एसोसिएट क्रीस क्लब ने भी महिलाओं को आत्मनिर्भर होने के लिए प्रोत्साहित किया। हुनर ऑनलाइन के पास 50 से भी अधिक गवर्नमेंट सर्टिफाइड कोर्सेज है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनता है, और उन्हे पहचान दिलाता है। आप भी गूगल प्ले स्टोर से हुनर का ऑनलाइन एप डाउनलोड करो, और नया स्किल सीखो वो भी घर बैठे।

कटनी कुठला थाना के पदस्थ उपनिरीक्षक ने अनोखे तरीके लिया रिटायरमेंट

दूल्हे की तरह सजाकर विंटेज कार से निकाली बारात

कटनी, कटनी जिले के कुठला थाना से थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक को दूल्हे की तरह सजाकर विंटेज कार से बारात निकाली गई और विंटेज कार चलाने वाले कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे थे, मौका था उपनिरीक्षक जगदीश तिवारी का रिटायरमेंट का दिन इस दिन को यादगार बनाने के लिए थाना प्रभारी अभिषेक चोबे ने इस तरीके से अनोखी विदाई की जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। सोशल वीडियो में वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कुठला थाना में पदस्थ रहे उपनिरीक्षक जगदीश तिवारी को दूल्हे की तरह सजाया गया और सर पर पगड़ी लगा उनके गले में फूल माला पहना गया और थाने आतिशबाजी और ढोल नगाड़ों के साथ उन्हे विंटेज कार में बैठाया गया। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे खुद विंटेज कार को ड्राइव करते हुए थाने से रिटायरमेंट हुए उपनिरीक्षक जगदीश तिवारी को घर तक पहुंचाया जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर बादल हो रहा है।

जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बोर्ड परीक्षा के संबंध में दिए निर्देश

बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने हेतु माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस बार बनाई नई रणनीति

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के सभाकक्ष में बोर्ड परीक्षा 2024 के नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्पित वर्मा ने बैठक में मंडल परीक्षा में नियुक्त सभी केंद्राध्यक्षों को निर्देशित करते हुये कहा कि इस वर्ष किसी भी स्थिति में नकल जैसी कोई स्थिति किसी केंद्र पर नहीं आनी चाहिए, अनाधिकृत किसी भी व्यक्ति को केंद्र पर प्रवेश न दिया जाये। विद्यार्थियों को अनुशासित माहौल में पूर्ण समय तक अपना प्रश्न पत्र हल करने के लिए मूलभूत सुविधाओं जैसे लाइट, फर्नीचर, स्वच्छ पेयजल आदि की उपलब्धता हो। कलेक्टर प्रतिनिधि एवं उड़न दस्ता दल को छोड़कर केंद्र अध्यक्ष सहित किसी भी व्यक्ति के लिये मोबाइल का प्रयोग वर्जित है। उनहोंने कहा सभी कर्मचारी परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व ही पंचनामा और अलमारी में ताले के साथ अपने मोबाइल बंद रखेंगे तथा परीक्षा समाप्ति के आधा घंटे बाद ही अपने मोबाइल का उपयोग कर सकेंगे। इस बार परीक्षा में प्रश्न पत्र चार सेट में आयेंगे, बैठक व्यवस्था में इस बात का ध्यान रखा जाए की समान सेट के विद्यार्थी आगे पीछे या आजू-बाजू में न रहे। सभी केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा, सहायक संचालक नन्हे सिंह ठाकुर एवं एडीपीसी शैलेंद्र असाटी ने भी सभी केंद्र अध्यक्षों को परीक्षा में रखी जाने वाली सावधानियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। मनीष नेमा ने पीपीटी के माध्यम से सभी को प्रशिक्षण प्रदान किया। परीक्षा प्रभारी राजेश रविदास ने बताया कि एक फरवरी को सभी प्राचार्य हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा के लिए अलग-अलग पेटियां, ताले, कपड़े की थैली, चपड़ा, मोमबत्ती आदि के साथ समय से उपस्थित रहे। दमोह पुलिस कोतवाली में जिन परीक्षा केन्द्रों की गोपनीय सामग्री जमा होती है, वे केंद्र अध्यक्ष 2 फरवरी को गोपनीय सामग्री प्राप्त करने हेतु उत्कृष्ट विद्यालय दमोह आएंगे। कार्यक्रम का संचालन ए.पी.सी. मोहन राय ने किया।

दमोह ग्राम कोटा तला, मारुताल स्तिथ खाद्य तेल रिपैकिंग/निर्माण स्थल का संयुक्त जांच दल द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 56 एवं 58 के तहत प्रकरण हुआ दर्ज

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने संयुक्त जांच दल में शामिल राजेश पटेल, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, दिनेश मांझी, प्रबंधक दुग्ध संघ, नाप तौल निरीक्षक एवं पुलिस बल के साथ दमोह के ग्राम कोटातला, मारुताल जबलपुर रोड दमोह स्तिथ सी.के. ट्रेडर्स प्रो. चक्रेश जैन की खाद्य तेल के री पैकिंग/निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया एवं फैक्ट्री में रिपैकिंग हो रहे सी के गोल्ड ब्रांड रिफाइंड सोयाबीन तेल एवं सरसों तेल के नमूनें जांच हेतु लिए। निरीक्षण के दौरान परिसर में खाद्य तेल पैकिंग एरिया में खाद्य तेल को अस्वच्छ तरीके से पैक किया जाना पाया गया है एवं खाद्य तेल के पाऊच, जार एवं बोतलों का भंडारण उचित नहीं पाया गया है। खाद्य तेल को अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में पैक एवं भंडारण किया जाना पाया गया है। मौके पर फैक्ट्री परिसर में एक बार उपयोग हो चुके प्लास्टिक जार में दोबारा खाद्य तेल को रिपैकिंग किये जाने पर खाली 403 प्लास्टिक जार को नियमानुसार जब्त किया गया है, जिनका बाजार मूल्य लगभग 14,105 रुपये है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 पैकिंग एवं लेबलिंग विनियम 2011 के विनियम 2.1.2 .×i के अंतर्गत खाद्य तेल को पुराने एवं रीयूज्ड प्लास्टिक जार में दोबारा रीपैक करके निर्माण, संग्रह एवं विक्रय करना प्रतिबंधित है। इन खाद्य तेल के नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अगर उक्त खाद्य पदार्थों के नमूनें मानक स्तर के नहीं पाए जाते हैं, तो फैक्ट्री संचालक के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

शहडोल पुलिस ने चोरी के एवम गुम हुए 60 लाख के कीमती 250 नग मोबाइल करा बरामद

शहडोल, शहडोल जिले के अलग अलग थानों से चोरी के एवम गुम हुए 60 लाख के कीमती 250 नग मोबाइल पुलिस ने बरामद कर लोगो सौंप दिया शहडोल पुलिस ने सायबर सेल के माध्यम से मध्यप्रदेश के आलावा छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश से शहड़ोल पुलिस ने मोबाइल बरामद कर लोगो को लौटाया, खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोग खुश हुए।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय निगरानी कमेटी का किया गठन

दमोह, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत दमोह जिले के लिए जिला स्तर एवं विधानसभा स्तर पर दिव्यांग मतदाताओं व वरिष्ठ नागरिकों की चुनाव प्रक्रिया में अधिकतम सहभागिता व साझेदारी को सुनिश्चित करने, उनको दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा एवं उपायों को कारगर बनाकर सुलभ संपादित कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवान ने जिला स्तरीय निगरानी कमेटी (डी.एम.सी.ए.ई.) एवं जिला स्तरीय (ए.सी.सी.ए.ई.) का गठन किया है। जिला स्तरीय निगरानी कमेटी (डी.एम.सी.ए.ई.) के अध्यक्ष कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह होंगे। इसी प्रकार उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन जन कल्याण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र, जिला समनवयक जन अभियान परिषद एवं सहायक संचालक जनसंपर्क समिति के सदस्य होंगे। विधानसभा स्तर पर विधानसभा क्षेत्र-054 पथरिया हेतु गठित जिला स्तरीय निगरानी कमेटी (ए.सी.सी.ए.ई.) के अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पथरिया एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पथरिया/बटियागढ़ होंगे। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) पथरिया, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया/बटियागढ़, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास पथरिया/बटियागढ़, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पथरिया/बटियागढ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी पथरिया समिति के सदस्य होंगे। विधानसभा क्षेत्र-055 दमोह हेतु गठित जिला स्तरीय निगरानी कमेटी (ए.सी.सी.ए.ई.) के अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दमोह एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दमोह होंगे। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) दमोह, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दमोह, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास दमोह, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी दमोह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी दमोह समिति के सदस्य होंगे। विधानसभा क्षेत्र-056 जबेरा हेतु गठित जिला स्तरीय निगरानी कमेटी (ए.सी.सी.ए.ई.) के अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तेंदूखेड़ा एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा/जबेरा होंगे। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) तेंदूखेड़ा, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तेंदूखेड़ा/जबेरा, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास तेंदूखेड़ा/जबेरा, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तेंदूखेड़ा/जबेरा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेंदूखेड़ा समिति के सदस्य होंगे। विधानसभा क्षेत्र-057 हटा (अ.जा.) हेतु गठित जिला स्तरीय निगरानी कमेटी (ए.सी.सी.ए.ई.) के अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) हटा एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हटा/पटेरा होंगे। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) हटा, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हटा/पटेरा, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास हटा/पटेरा, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी हटा/पटेरा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी हटा/पटेरा समिति के सदस्य होंगे।

एक बार फिर ह्वाला कारोबार से जुड़ा कटनी का नाम, पुलिस ने शुरू करी जाँच

कटनी, कटनी जिला हवाला कारोबार के लिए मध्यप्रदेश के सबसे चर्चित जिलों में शामिल कटनी में एक बार फिर हवाला कांड की बू आने लगी है। जिसकी जांच कटनी पुलिस पिछले 10 दिनों से करने में जुटी है। आपको बता दे पूरा प्रकरण खुद बैंक मैनेजर के माध्यम सामने लाया गया था और उसकी सूचना पुलिस तक पहुंचाई गई। दरअसल पूरा मामला सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़ा हुआ है। जिसमे गैंतरा गांव के कुछ 20 से 30 वर्षीय युवकों के खाते खोले गए। जिनसे मध्यप्रदेश के साथ-साथ देश के कई हिस्सों में कई लाखो और करोड़ों का ट्रांजेक्शन किया गया। जब इन खातों की जानकारी जुटाई गई तो युवकों ने खुद का विवादित खातों से ताल्लुक न होना बताया है। जानकारी के अनुसार पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के सत्यनारायण मंदिर के समीप स्थित सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़ा हुआ है। जिन्होंने कोतवाली पुलिस से संपर्क करते हुए बैंको में तेजी से खुलते खाते और उससे लाखो करोड़ों के ट्रांजेक्शन के मामले की सूचना दी है। जिस पर टीआई आशीष शर्मा ने सीएसपी सहित अपने आलाधिकारियों को प्रकरण से अवगत करवाते हुए जांच शुरू की तो पता चला सभी 15 खाताधारक माधवनगर थाना क्षेत्र के एक ही गांव गैतरा के रहने वाले है, जिनकी जांच पिछले 10 दिनों से जारी कर रखी है। पुलिस पूरे मामले को हवाला कांड से जोड़कर देख रही है। चूंकि कटनी में पूर्व में भी करीब 2800 करोड़ का हवाला कांड समाने आ चुका है। फिलहाल पूरे मामले पर कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने बताया की सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक में 15 युवकों से अधिक लोगो के बोगस खाते खोलकर मामले की बड़े स्तर का ट्रांजेक्शन किए जाने पर बैंक से सूचना मिली और इसी मामले पर कुछ ग्रामीण युवकों ने भी शिकायत दी है जिसकी जांच की जा रही है। देखना ये है क्या एक बार फिर हवाला कांड का जिन्न कटनी नुमा चिराग से बाहर निकलेगा या फिर ये पूरा मामला ही जांच के नाम पर दबकर रह जाएगा।

अमेरिका: बोइस हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा

मैदान में इस वजह से हुई 3 लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को: अमेरिका में इडाहो प्रांत की राजधानी बोइज के बोइज हवाई अड्डे पर एक निर्माणाधीन हैंगर गिरने से तीन लोगों की मौत हो गयी और नौ अन्य घायल हो गये। बोइज अग्निशमन विभाग ने बताया कि बुधवार हो हुए हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी और नौ लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। हैंगर के स्वामित्व वाली निजी चार्टर उड़ान कंपनी जैक्सन जेट सेंटर की प्रवक्ता जेसिका फ्लिन ने कहा कि हवाई अड्डे की संपत्ति पर स्थित हैंगर का स्वामित्व जैक्सन जेट सेंटर के पास था। उस समय साइट पर बड़ी संख्या में समर्पित लोग काम कर रहे थे। फ्लिन ने स्थानीय मीडिया को एक ईमेल भेजकर कहा, ''हमें नहीं पता कि हैंगर ढहने का वास्तविक

कारण क्या था। हमारा ध्यान अब इस कठिन समय में अपनी टीम और भागीदारों का समर्थन करने पर है। बोइज पुलिस विभाग के संचालन प्रमुख आरोन हम्मेल ने इस घटना को 'विनाशकारी% बताते हुए कहा कि विभाग जांच का नेतृत्व कर रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे से हवाई अड्डे का परिचालन प्रभावित नहीं हो हुआ है।

सीरिया और इराक में ईरानी आतंकी ठिकानों पर हमला करेगा अमेरिका

इंटरनेशनल डेस्क: हाल ही में जॉर्डन में ईरानी मिलिशिया के ड्रोन हमले में 3 अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद अमेरिका ने सख्त रवैया अपनाया है। अमेरिका ने सीरिया और इराक में ईरान के मिलिशिया ठिकानों पर हमले की योजना को मंजूरी दे दी है। आने वाले दिनों में इन हमलों की शृंखला शुरू की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि हमले कई दिनों तक होंगे और जब इन्हें लॉन्च किया जाएगा तो मौसम की स्थितियां तय होंगी। अमेरिका का यह बयान रविवार को सीरियाई सीमा के पास जॉर्डन में एक ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने के बाद आया है। अमेरिका ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित मिलिशिया समूह को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं ईरान ने उस

हमले में किसी भी भूमिका से इनकार किया है जिसमें सैन्य अड्डे पर 41 अन्य अमेरिकी सैनिक घायल हो गए थे। जबकि अमेरिकी अधिकारियों ने ड्रोन हमले का जवाब देने का वादा किया है। राष्ट्रपति जो बाइडेन और अन्य अधिकारियों ने कहा है कि देश ईरान के साथ व्यापक युद्ध नहीं चाहता है। बता दें 7 अक्टूबर को इज़राइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से कई ईरान समर्थित समूहों ने अमेरिका और इजराइल से जुड़ी संस्थाओं पर हमले बढ़ा दिए हैं।

दुश्मन का बनेगा काल, भारत को मिलेगी हवाई ढाल

प्रीडेटर ड्रोन की बिक्री के लिए अमेरिकी कांग्रेस ने दी मंजूरी

वाशिंगटन/नई दिल्ली: अमेरिका ने बृहस्पतिवार को 3.99 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत पर भारत को 31 एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन की बिक्री को मंजूरी दे दी। इससे समुद्री मार्गों में मानवरहित निगरानी और टोही गश्त के जरिए वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए भारत की क्षमता को बढ़ेगी। इस ड्रोन सौदे की घोषणा जून 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान की गई थी। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने यहां एक बयान में कहा, ''विदेश विभाग ने 3.99 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत पर एमक्यू-9बी एयरक्राफ्ट और संबंधित उपकरणों को भारत सरकार को बेचने को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। एजेंसी ने कहा कि उसने बृहस्पतिवार को कांग्रेस को इस संभावित बिक्री के बारे में सूचित करते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण दे दिया है। एजेंसी ने कहा, ''इस प्रस्तावित बिक्री से अमेरिका-भारत के रणनीतिक संबंधों को मजबूती मिलेगी और हिंद-प्रशांत तथा दक्षिण एशियाई क्षेत्र में आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। इसने कहा, ''प्रस्तावित बिक्री से परिचालन के समुद्री मार्गों में मानवरहित निगरानी और टोही गश्त को सक्षम बनाकर वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा। भारत अपने सशस्त्र बलों की निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए, विशेष रूप से चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर, लंबे समय तक संचालिल होने वाले ड्रोन खरीद रहा है। तीन अरब अमेरिकी डॉलर के सौदे के तहत, भारत को 31 अत्याधुनिक ड्रोन (यूएवी) मिलेंगे। उनमें से 15 'सी-गार्जियन ड्रोन नौसेना को मिलेंगे, जबकि थलसेना और वायुसेना को आठ-आठ 'स्काई-गार्डियन ड्रोन मिलेंगे। डीएससीए ने इस बात की सराहना कि भारत ने अपनी सेना के आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। इसने कहा कि भारत को इन सेवाओं को अपने सशस्त्र बलों में शामिल करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। रक्षा क्षेत्र की प्रमुख अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स सिस्टम (जीए) से ड्रोन की खरीद होगी। इससे पूर्व विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित ड्रोन सौदे की घोषणा की गई थी, जिसमें क्षेत्र में सैन्य सहयोग और द्विपक्षीय रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण संभावना है। मिलर भारतीय मीडिया में आई इस खबर को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे कि बाइडेन प्रशासन ने एक खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या की कथित साजिश में एक भारतीय अधिकारी के शामिल होने के आरोपों की जांच होने तक भारत को सशस्त्र ड्रोन की बिक्री पर रोक लगा दी है। मिलर ने बुधवार को कहा, ''निश्चित रूप से, अमेरिका की हथियार अंतरण प्रक्रिया में अमेरिकी कांग्रेस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हम अपनी औपचारिक अधिसूचना से पहले, नियमित रूप से कांग्रेस के सदस्यों के साथ परामर्श करते हैं ताकि हम उनके सवालों का समाधान कर सकें, लेकिन औपचारिक अधिसूचना कब जारी होगी, इस संबंध में मेरे पास कोई टिप्पणी नहीं है। उन्होंने कहा, ''इस बिक्री की घोषणा पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान हुई थी।

मोदी सरकार का बजट सिर्फ रंग-बिरंगे शब्दों का मायाजाल खरगे बोले- इसमें गरीबों और मध्य वर्ग लिए कुछ नहीं

नेशनल डेस्क: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा पेश अंतरिम बजट सिर्फ रंग-बिरंगे शब्दों का मायाजाल है तथा इसमें गरीबों और मध्य वर्ग लिए कुछ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को बताना चाहिए कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने जितने वादे किए गए, उनमें से कितने पूरे हुए। खरगे ने एक बयान में कहा, '' मैंने बजट भाषण सुना। मैंने सोचा था कि वित्त मंत्री गरीब और मध्यम वर्ग के लिए नई योजनाएं लाएंगी। उनकी तकलीफ़ों को कम करने के लिए कुछ घोषणाएं होंगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि हर साल की तरह मोदी सरकार का अंतरिम बजट केवल रंग-बिरंगे शब्दों का मायाजाल है। खोखले दावे करना इस सरकार की आदत कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''इसमें ठोस कुछ नहीं है, बड़े-बड़े और खोखले दावे करना इस सरकार की आदत है। खरगे ने कहा, ''वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि वे 2014 और 2024 की तुलना करने के लिए श्वेत पत्र सदन में रखेंगी। उनको बताना चाहिए कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने जितने वादे किए गए, उनमें से कितने पूरे हुए? कितने बाक़ी हैं? बजट में उन वादों का कोई ज़िक्र नहीं है। उन्होंने कहा, ''सालाना दो करोड़ नौकरियां, किसानों की आय दोगुनी करना, 2022 तक सभी को पक्का घर, 100 स्मार्ट सिटी, ये सभी वादे आज तक पूरे नहीं हुए। 2014 में जो कृषि विकास दर 4.6 प्रतिशत थी, वो इस साल 1.8 प्रतिशत कैसे हो गई? संप्रग सरकार के दौरान हमारी खेती चार प्रतिशत औसत से बढ़ती थी, वो आधा क्यों हो गई? क्यों 31 किसान हर रोज़ आत्महत्या करने पर मजबूर हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने यह सवाल भी किया, ''2014 में शिक्षा का बजट जो कुल बजट का 4.55 प्रतिशत था, वो गिरकर 3.2 प्रतिशत कैसे हो गया? एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक कल्याण के लिए आवंटन कुल बजट की तुलना में लगातार क्यों गिर रहा है? रक्षा बजट और स्वास्थ्य बजट में लगातार गिरावट क्यों जारी है?

बेरोज़गारी 45 साल में सबसे अधिक क्यों हैं? खरगे ने कहा, ''पूरे बजट में नौकरी शब्द केवल एक बार इस्तेमाल किया गया है। बेरोज़गारी 45 साल में सबसे अधिक क्यों हैं? मोदी सरकार ने तीन करोड़ से ज़्यादा लोगों की नौकरियां क्यों छीनी? हर महीने पेपर लीक क्यों होते हैं? उन्होंने कहा, ''आसमान छूती महंगाई से हर कोई परेशान है। ज़रूरी वस्तुओं पर 5 प्रतिशत से 18 प्रतिशत जीएसटी क्यों लगाया? आटा, दाल, चावल, दूध, सब्ज़ियों के दाम क्यों बढ़ते जा रहे हैं? यह बताने वाला कोई नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार, ''वित्त मंत्री दावा करती हैं कि आम आदमी की आय बढ़ी है। ये झूठ है, सच है कि पिछले 5 वर्षों में ग्रामीण भारत का वेतन घटा है। ग्रामीण दिहाड़ी 10 साल में बढ़ने के बजाय गिरी है। उन्होंने कहा, ''वित्त मंत्री जी ने पूरे बजट के भाषण में मनरेगा का नाम तक नहीं लिया। क्योंकि संप्रग के वक़्त 100 दिन का काम मिलता था, वो अब केवल साल में 48 दिन रह गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का बजट भी कुल बजट की तुलना में इस सरकार ने कम किया है। महिला श्रम बल भागीदारी जो 2005 में 30 प्रतिशत थी वो अब 24 प्रतिशत क्यों हो गई? खरगे ने सवाल किया कि कांग्रेस-संप्रग सरकार के दौरान देश की औसत आर्थिक विकास दर जो नयी श्रृंखला के मुताबिक, 8 प्रतिशत थी, वो इस सरकार में लुढ़ककर 5.6 प्रतिशत पर क्यों पहुंच गई? उन्होंने आरोप लगाया, ''दरअसल किसी भी बजट के दो काम होते हैं- एक पिछले साल का ब्योरा होता है और दूसरा आने वाले साल के लिए दृष्टिकोण होता है। इस बजट में ये दोनों ही चीजें गायब हैं।

चीन के शंघाई में रॉकेट परीक्षण दौरान भीषण ब्लास्ट, सहम गए लोग 3 कर्मचारी घायल

बीजिंग: चीन के शंघाई में रॉकेट परीक्षण दौरान भीषण ब्लास्ट से आसपास के लोग सहम गए। हादसे में तीन कर्मचारी घायल हो गए। आसपास के निवासियों ने बताया कि सोमवार शाम को शंघाई में लैंडस्पेस रॉकेट ईंधन टैंक के परीक्षण के दौरान एक भारी धमाके ने उनकी खिड़कियों को हिला दिया। चीनी स्टार्ट-अप - जिसने पिछले साल दुनिया के पहले मीथेन-ईंधन वाले रॉकेट ज़ुके -2 को कक्षा में लॉन्च करने के लिए यूएस-आधारित स्पेसएक्स सहित अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया था, ने कहा कि परीक्षण के दौरान कोई असामान्यता नहीं थी। लैंडस्पेस के एक प्रतिनिधि ने मंगलवार को स्थानीय मीडिया को बताया कि परीक्षण में कुछ ग्लास क्षतिग्रस्त हो गए और तीन उत्पादन कर्मियों को मामूली खरोंचें आईं। जबकि कंपनी और जिला सरकार ने कहा कि कोई विस्फोट नहीं हुआ। सोंगजियांग जिले में परीक्षण स्थल के पास, युशू रोड के निवासियों ने तुरंत अपना अनुभव साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो का सहारा लिया, जो शाम लगभग 7.30 बजे हुआ। एक निवासी ने लिखा, मेरी खिड़कियाँ बुरी तरह हिल रही थीं, और फिर सड़क पर फायर ब्रिगेड की आवाज़ आ रही थी।दूसरे ने कहा, यह मुझे भूकंप या भारी गड़गड़ाहट जैसा महसूस हुआ। वेइबो पर पोस्ट किए गए एक वीडियो के अनुसार, श्रमिकों, जो सभी पुरुष थे, का इलाज सोंगजियांग सेंट्रल अस्पताल में सिर और हाथ की चोटों के लिए किया गया था।लैंडस्पेस प्रतिनिधि ने कहा कि परीक्षण नियंत्रण में था और प्रक्रिया में कोई असामान्यता नहीं थी। उन्होंने कहा, उम्मीद के मुताबिक प्रोपेलेंट टैंक 0.65 मिलियन पास्कल के दबाव में टूट गया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि परीक्षण शंघाई स्पेसफ्लाइट प्रिसिजन मशीनरी इंस्टीट्यूट जिसे इंस्टीट्यूट 800 कहा जाता है, में लैंडस्पेस द्वारा किराए पर ली गई एक बाहरी सुविधा में हुआ। लैंडस्पेस के एक कर्मचारी ने पहचान उजागर न करने के लिए कहा, क्योंकि वह मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं है, उसने कहा कि दबाव परीक्षण में बेहद कम तापमान वाले तरल नाइट्रोजन का उपयोग किया गया था, जिसे टैंक की सीमा स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

भारत-मालदीव के बीच दूसरे कोर ग्रुप की बैठक आज

मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी को लेकर भारत और मालदीव के बीच दूसरे कोर ग्रुप की बैठक आज दिल्ली में होगी। कोर ग्रुप की पहली बैठक मालदीव की राजधानी माले में 14 जनवरी को हुई थी। माले में हुई बैठक में भारत और मालदीव के बीच भारतीय सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाने पर सहमति बनी थी। मालदीव के विदेश मामलों के मंत्रालय में हुई पहली कोर ग्रुप की बैठक में दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग की भी समीक्षा की गई।मालदीव में भारत के एविएशन प्लेटफॉर्म को चालू रखने पर हो सकती है बात कोर ग्रुप की पहली बैठक में आपसी हित के मुद्दों, विकास संबंधी सहयोग पर विस्तार से बातचीत हुई थी। दोनों पक्ष मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को तेज करने पर भी सहमत हुए थे। साथ ही सुविधाजनक समय पर दोनों पक्ष उच्च स्तरीय कोर ग्रुप की बैठक करने पर भी सहमत हुए थे। भारत और मालदीव इस मुद्दे पर भी चर्चा कर रहे हैं कि अगर सैनिकों की वापसी होती है

तो भी भारत के मालदीव में मौजूद एविएशन प्लेटफॉर्म को चालू रखा जाए ताकि मालदीव के लोगों को मानवीय और मेडिकल मदद मिलती रहे। मुइज्जू ने किया था भारतीय सैनिकों की वापसी का एलान भारत के सहयोग से मालदीव में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर भी बात हुई। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सत्ता संभालते ही मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी का एलान कर दिया था। मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है।

एक ऐसा अनोखा स्कूल जहां घंटी बजते ही बच्चे घर नहीं, जंगल की ओर भागते हैं

नेशनल डेस्क: छत्तीसगढ़ में एक अनोखा स्कूल देखने को मिला है। जहां स्कूल की घंटी बजते ही बच्चे घर की और नहीं बल्कि जंगल की और भारते हैं। जी हां, आपने सही सुनी है। रायपुर से 109 किलोमीटर दूर महासमुंद जिले के बागबाहरा ब्लॉक में पहाड़ियों के नीचे बसा है कसेकेरा गांव। शनिवार दोपहर 1 बजे स्कूल की घंटी बजते ही बच्चे क्लास रूम से दौड़ते हुए बाहर निकले और खेलते-कूदते जंगल की ओर भागने लगे। ऐसा लग रहा था, मानो स्कूल की छुट्टी हो गई हो और बच्चे खेलने जा रहे हों। लेकिन ऐसा नहीं था, ये बच्चे अपनी रेगुलर क्लास के बाद प्रकृति को जानने के लिए जा रहे थे, क्योंकि स्कूल की क्लास के बाद अब उनकी पढ़ाई जंगल में पेड़-पौधे, पहाड़, नदी-तालाब के बीच होनी थी। बच्चों के चेहरों पर उत्सुकता थी कि आज क्या जानने को मिलेगा। यहां पहुंचते ही बच्चे अपने-अपने काम में व्यस्त हो गए। कोई पानी में कीड़े देख रहा था तो कोई पेड़-पौधों का प्रिंट लेने लगा। कुछ ही देर में कसेकेरा स्कूल के हेडमास्टर डॉ. विजय शर्मा भी पहुंच गए और पहाड़ी पर एक चट्टान पर

बैठ गए। उनके साथ बच्चों ने भी अपने अपने लिए जगह तलाश ली और फिर शुरू हुई नेचर क्लास। पिछले दो साल से ग्राम कसेकेरा स्कूल के कक्षा 6वीं से लेकर 10वीं तक के बच्चे प्रकृति के साथ मिलकर पढ़ाई कर रहे हैं। स्कूल के शिक्षक मैथ्स, केमेस्ट्री, बायो, फिजिक्स जैसे सब्जेक्ट के साथ ही औषधीय ज्ञान बच्चों को जंगल में ही देते हैं। प्रकृति के बीच प्रैक्टिकल ज्ञान बच्चों को मैथ्स, साइंस, एग्रीकल्चर, आयुर्वेद और औषधीय ज्ञान भी जंगल से मिल रहा है। मैथ्स में पढ़ाए जाने वाले टॉपिक ढलान पानी की रफ्तार, रोकना, क्षेत्रफल, गुणा-भाग को पौधों और पहाड़ के माध्यम से समझाया जाता है। साइंस में फिजिक्स के टॉपिक संतुलन, केमेस्ट्री में पत्तियों के रस का उपयोग, उनसे इलाज, औषधीय व दूसरे पेड़-पौधों की पहचान और उनका उपयोग, छाल का प्रिंट निकालकर आयु की गणना, गुण और व्यवहार का पता लगाना जैसे सभी प्रैक्टिकल काम यहां किए जाते हैं। वहीं जीव विज्ञान में नदी-तालाब में मिलने वाले जीव-जंतुओं को पहचान के बारे में बताया जाता है। बच्चे पौधरोपण के लिए निदाई, गुड़ाई और देखरेख भी सीखते हैं। बच्चे प्रतियोगिताओं में विजेता बन रहे दो साल पहले शाला विकास समिति में बच्चों को नेचर से जोड़कर पढ़ाने के लिए हेड मास्टर ने प्रस्ताव रखा था। इसके बाद से बच्चों की स्किल और परफॉर्मेंस दोनों में सुधार आया है। बच्चों ने पिछले साल राज्य स्तरीय इंको क्लब प्रतियोगिता में 50 हजार के कैश प्राइज भी जीते थे। बच्चों का बौद्धिक विकास अच्छा हो रहा विदेशों में नेचर स्कूल का ट्रेंड पहले ही शुरू हो चुका है। ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में फॉरेस्ट स्कूल या बुश काइन्डीज, न्यूजीलैंड में स्थानीय माओरी जीवनशैली से बच्चों को जोड़ने की पहल की जा रही । वहीं कई देशों में एन्वायरो स्कूल पॉपुलर हो रहे हैं। साथ ही यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) और इंपीरियल कॉलेज की एक स्टडी के अनुसार, प्रकृति के करीब रहना सेहत के लिए अच्छा होता है। इससे भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याएं भी नहीं होती। जो बच्चे हरियाली के बीच रहते हैं, उनका बौद्धिक विकास भी अच्छा होता है। इसके उलट शहरी क्षेत्र में और प्रकृति से कटकर रहने वाले बच्चों को भावना और व्यवहार संबंधी दिक्कतों का जोखिम रहता है। न्यू एजुकेशन पॉलिसी में भी बच्चों के लिए प्रेक्टिकल एजुकेशन की बात कही गई है।

बंधकों की रिहाई की डील पर संशय हमास ने नहीं दी है अभी मंजूरी

इस्राइल और हमास के बीच बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत हो रही है। इस बातचीत में कतर, मिस्त्र और अमेरिका भी शामिल हैं। हाल ही में कतर ने एलान किया था कि हमास ने बंधकों को छोड़ने की डील के लिए हामी भर दी है, लेकिन अब लेबनान के एक मीडिया हाउस ने फलस्तीनी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि अभी तक हमास ने डील पर कोई फैसला नहीं किया है और वह अभी इस पर विचार कर रहे हैं। इस्राइल के मीडिया ने भी लेबनानी मीडिया की इन खबरों को रिपोर्ट किया है। कतर की तरफ से बयानबाजी में की गई जल्दबाजी लेबनानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कतर की तरफ से बयान जल्दबाजी में और गलत दिया गया। अभी तक हमास के नेतृत्व ने डील को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। लेबनानी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस्राइली मीडिया जानबूझकर डील फाइनल होने की बात चला रहा है ताकि बंधकों के परिजन, जो सरकार पर दबाव बना रहे हैं, उन्हें शांत रखा जा सके।

कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मजीद अल अंसारी ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा था कि इस्राइल की तरफ से डील को मंजूरी मिल गई है और हमास की तरफ से भी शुरुआती सकारात्मक पुष्टि हुई है। हमास ने इस्राइल पर खबरें लीक करने का लगाया आरोप हमास के एक अधिकारी ओसामा हमदान के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हमास ने अभी तक अपने आधिकारिक जवाब पर अंतिम फैसला नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में हमदान के हवाले से लिखा गया है कि जब सब तैयारी हो जाएगी तो हम डील पर अपना जवाब दे देंगे, लेकिन अभी तक हमने कुछ फाइनल नहीं किया है और ना ही अभी तक कोई समझौता हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569